प्रगति–5

2018-2019

हिंदी

कक्षा-VII

बिक्री के लिए नहीं

स्वाध्यायान्मा प्रमदः
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् दिल्ली

सौजन्य से :
दिल्ली पुस्तक ब्यूरो

शिक्षा निदेशालय
रा.रा.क्षे., दिल्ली सरकार

जून, 2018

2,40,000 प्रतियाँ

उत्पादन मंडल

अनिल कुमार शर्मा
दीपक तंवर

दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो में अनिल कौशल, सचिव, दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो, 25/2, पंखा रोड, संस्थानीय क्षेत्र, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित तथा मैसर्स अरिहन्त ऑफसैट, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।

भूमिका

प्रगति के लक्ष्य को साथ लेते हुए पाँचवीं श्रृंखला में पाठ्यपुस्तक के 'निष्ठा समूह पाठ्यक्रम' में सम्मिलित पाठों को लिया गया है। विद्यार्थियों के मौलिक व तार्किक चिंतन, उनकी रचनाशीलता व सृजनात्मकता का विकास हो, इस हेतु 'प्रगति' में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रयत्न किए गए हैं। साथ ही साथ चेष्ठा की गई है कि अध्यापकों के थोड़े से मार्गदर्शन के साथ बच्चे स्वयं पढ़ें एवं उसमें दी गई worksheets को भी स्वयं ही हल करें। यही कारण है यह पूरक–पुस्तिका लगातार बच्चों से ही संवाद करती हुई दिखाई देती है। इन पाठों में अधिगम संप्राप्ति (learning outcomes) को ध्यान में रखकर भी गतिविधियाँ व प्रश्न रखे गए हैं। पाठ की भूमिका को बच्चों के लिए काफी मनोरंजक रखा गया है एवं पाठ तक पहुँचा कर छोड़ दिया गया है, ताकि वे स्वयं पाठ को पढ़ने हेतु उत्सुक हो उठें।

हम अध्यापकों से अपेक्षा करते हैं कि बच्चों के साथ इस सामग्री के अनुभव एवं प्रयोग को हमारे साथ साझा करें एवं आवश्यक सुझाव भी दें।

संपादन समूह

iuoh{k.k%

डॉ. शारदा कुमारी (वरिष्ठ प्रवक्ता) एवं सुश्री लक्ष्मी पाण्डेय (प्रवक्ता) मंडल शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, आर. के. पुरम, नई दिल्ली

ijko/ku ,o liknu leg%

सुश्री शीतल, मैंटर शिक्षिका, (विश्वामित्र) सर्वोदय कन्या विद्यालय, पुरानी सीमापुरी, दिल्ली

श्री हरिशंकर स्वर्णकार, मैंटर शिक्षक, राजकीय उच्चतर माध्यमिक बाल विद्यालय, वरुण मार्ग, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली

श्री अशोक कुमार, मैंटर शिक्षक, राजकीय उच्चतम माध्यमिक बाल विद्यालय नं. 2, कालकाजी, नई दिल्ली

श्रीमती निशा जैन, मैंटर शिक्षिका, राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, झिलमिल कॉलोनी दिल्ली

श्रीमती आशा, मैंटर शिक्षिका, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोयला खुर्द, दिल्ली

श्रीमती अंजूबाला रोहिल्ला, मैंटर शिक्षिका, सर्वोदय कन्या विद्यालय, उत्तम नगर, दिल्ली

श्री भूषण लाल दत्त, मैंटर शिक्षक, सर्वोदय बाल विद्यालय, रानी गार्डन, दिल्ली

Learning Outcomes

Class	Learning Outcomes
1.	1. सुनी गई कहानियाँ, कविताओं, घटनाओं इत्यादि पर आपस में चर्चा कर सकते हैं। 2. चित्र को ध्यान से देखकर उसके बारे में बातचीत करते हैं जैसे चित्र में घट रही घटनाएं, गतिविधियाँ, पात्र, वस्तुओं, आदि में रुचि दिखाते हैं और उसके बारे में बातचीत करते हैं। 3. अपनी पसंद की किताबों और अन्य लिखित सामग्री को स्वयं चुनकर पढ़ने की कोशिश करते हैं। 4. सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से अभिव्यक्त करने का प्रयास करते हैं, जैसे कि चित्र, कीरम–काटा, इत्यादि।
2.	कक्षा 1 के सभी Learning outcomes के अतिरिक्तः 1. सुनी गई कविता, कहानी आदि को अपनी भाषा में कहते हैं। 2. हिंदी वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं। 3. पढने के लिए विविध युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं जैसे प्रिंट और चित्रों की मदद से अनुमान लगाना, शब्दों को पहचानना आदि पूर्व अनुभव के आधार पर अनुमान लगा सकते हैं। 4. अपनी कल्पना से अपने स्तर के अनुसार कविता, कहानी आदि कहते हैं और उसे आगे बढ़ा सकते हैं।
3.	कक्षा 1–2 के सभी Learning outcomes के अतिरिक्तः 1. लगभग 8 से 10 वाक्यों की साधारण कहानी अथवा कविता को आसानी से पढ़ सकते हैं। 2. कहानी, कविता आदि को उचित हाव भाव के साथ सुनते सुनाते हैं। 3. अपने आसपास होने वाली घटनाओं और अपने अनुभवों के विषय में बातचीत करते हैं और सवाल पूछते हैं। 4. अलग अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों के अर्थ सन्दर्भ के अनुसार समझते हैं और उसे 3–4 वाक्यों में लिखने का प्रयास करते हैं।
4.	कक्षा 3 के सभी Learning outcomes के अतिरिक्त

1. पढ़ी, सुनी, देखी घटनाओं, कविताओं, कहानियों आदि पर अपनी राय देते हैं व प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।

2. लगभग 3–4 वाक्यों के लेखन में संज्ञा, वचन, लिंग, विलोम, सर्वनाम, विराम चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।

5. कक्षा 3–4 के सभी Learning outcomes के अतिरिक्तः

1. अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोष में खोजते हैं।

2. लगभग 15–20 वाक्यों की साधारण कहानी अथवा कविता को आसानी से पढ़ सकते है एवं उससे सम्बंधित प्रश्नों का उत्तर 4 से 5 वाक्यों में मौखिक अथवा लिखित रूप में देते हैं।

6. कक्षा 5 के सभी Learning outcomes के अतिरिक्त

1. किसी पाठ्यवस्तु (कहानी, निबंध अथवा कविता) को सरसरी तौर पर पढ़कर विषयवस्तु का अनुमान लगाते हैं।

2. किसी पाठ्यवस्तु (साधारण कहानी, निबंध अथवा कविता) को पढ़कर उसकी बारीकी से जांच करते हुए विशेष बिंदु को खोजते, अनुमान लगाते व निष्कर्ष निकालते हैं।

3. भाषा की बारीकियों का ध्यान रखते हुए उनका बोलने और लिखने में इस्तेमाल करते हैं जैसे कविता में लय, ताल और कहानी में मुहावरे इत्यादि।

4. विभिन्न स्थितियों के अनुसार 8 से 10 वाक्यों में लिखते हैं जैसे पत्र, कहानी, कविता, इत्यादि।

5. विभिन्न प्रकार की कहानी, कविताओं, समाचारों आदि में आए प्राकृतिक सामाजिक और अन्य संवेदनशील मुद्दों को समझते हैं, उस पर चर्चा करते हैं और अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं।

7. कक्षा 6 के सभी Learning outcomes अतिरिक्त

1. पढ़ी हुई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं के प्रश्न बनाते और पूछते हैं।

2. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

8. कक्षा 6–7 के सभी Learning outcomes के अतिरिक्तः

1. अपनी कल्पना से मौलिक रचना करते हैं जैसे कहानी, कविता, निबंध, पत्र आदि।

पाठ - सूची

Øe l-	v/;k;	ox	i"B l[;k
ikB 1	ge iNh mUeDr xxu d	dfork	1&8
ikB 2	fgeky; dh cfV;k	fucU/k	9&20
ikB 3	dBiryh	dfork	21&29
ikB 4	feBkb okyk	dgkuh	30&35
ikB 5	jDr vkj gekjk 'kjhj	fucU/k	36&43
ikB 6	ikik [kk x,	ukVd	44&51
ikB 7	fpfM;k dh cPph	dgkuh	52&60
ikB 8	vi vuHko	lLej.k	61&72
ikB 9	jghe d nkg	nkg	73&83
ikB 10	dpk	dgkuh	84&97
ikB 11	uhy dB	j[kkfp=	98&107
ikB 12	l?k"k d dkj.k e ru dfe tkt gk x;k& lk{kkRdkj /kujkt fiYy		108&120

पाठ 1

हम पंछी उन्मुक्त गगन के

'स्वतंत्रता' शब्द अपने आप में गौरव प्रदान करने वाला शब्द है। क्या कभी आपने सोचा कि यदि हमें केवल एक दिन भी कमरे में बंद रहना पड़े तो हमारी क्या हालत हो जाएगी? बेशक, उसमें हमारी सुविधाओं का सारा सामान हो। यह कमरे में बंद रहने वाली बात सोचकर, मुझे तो बहुत डर लगता है। शायद आप को भी ऐसा ही लगे। यहाँ स्वतंत्र और परतंत्र रहने वाली बात हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमारा प्रस्तुत पाठ 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' में पक्षियों के पिंजरे में बंद होने के भाव को प्रस्तुत किया गया है। संसार में कोई भी प्राणी हो वह स्वतंत्र रहना चाहता है। प्रस्तुत कविता में कवि शिवमंगल सिंह 'सुमन' ने पक्षियों के मन के भावों को, कविता के ज़रिए, आप तक पहुँचाना चाहा है। आप इस कविता में परतंत्र पक्षियों के मन के भावों और स्वतंत्रता के महत्व को जानेंगे। चलो साथियों! अब इस कविता को गुनगुना लें....

rEg c'k dherh lku d fitj e
j[kk g vkj lku dh dVkjh e Hkj
iV [kkuk Hkh j[kk g rEgkj fy,A
fQj Hkh re n%[kh D;k gk\
ge bl lku dh dVkjh e j[k [kku l
db xuk T;knk] og uhe dh fuckyh vPNh
yxrh gA iM dh ml Åph Mkyh ij
>yuk ge cgr ;kn vkrk gA

bl fitj e rk ge viuh
Åph vkj rt mMku Hky gh
x, gA Hkkb! ge cgr n%[kh
g ;gkA

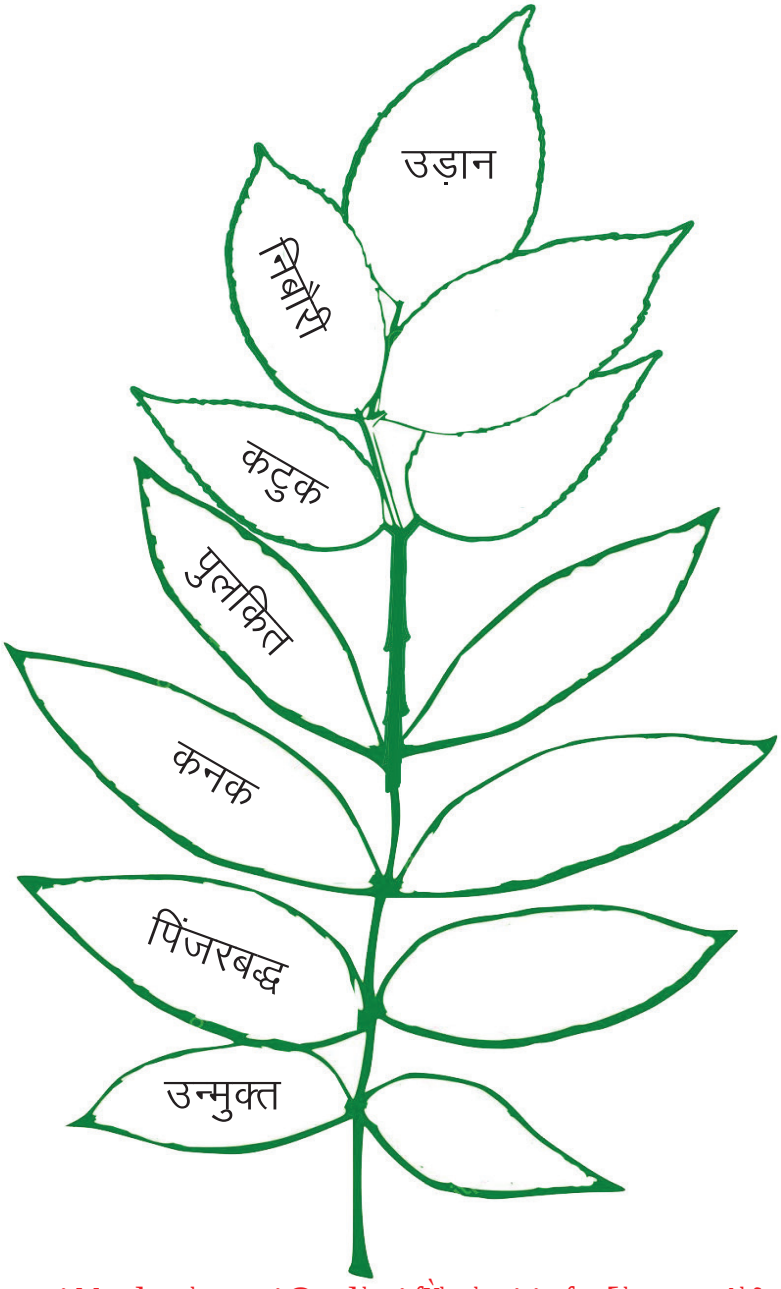

1- Åij fn, x, isM+ ds ck;sa rjQ dh ifÙk;ksa ij fy[ks x;s 'kCnksa ds lgh vFkZ dks ckDl esa ls pqudj nk;ha rjQ dh ifÙk;ksa esa fy[ksa &

सोना, खुशी, कड़वी, नीम के फल,
उड़ने की कला, खुला (स्वतंत्र)
पिंजड़े में बंद

n[kk rqeu--- egl l fd;k
rqeu] gekj n%[k dk\ ge
fitj e cn gkuk fcYdy
Hkh vPONk ugh yxrk] ge
rk bl [ky vkdk'k e
Åp mMuk iln gA lkpk-
---vxj rEg dkb bl rjg
fitj e cn j[k rk rEg
dl k yxxk---\

....

....

....

....

....

....

....

....

....

2- lgh 'kCn ls [kkyh LFkku Hkjsa & ¼dfork ls---½

i) पिंजरबद्ध न .... पाएंगे। (खा/गा)

ii) बस.. में देख रहे हैं। (अपनों/सपनों)

iii) नीले नभ .... सीमा पाने। (ही/की)

iv) होती सीमाहीन क्षितिज ....। (में/से)

v) नीड़ .... दो चाहे टहनी का। (न/व)

3- fn, x, 'kCnksa dh ifpZ;k¡ cukb, tSls &

पिंजरा	दाना	चिड़िया	पंख
स्वतंत्रता	सुविधाएं	जल	गगन

अब आप व आपके साथी एक–एक पर्ची उठाएँ एवं आशुभाषण (extempore) (किसी एक विषय पर 1 मिनट बोलना) दीजिए।

4- Lor=rk o ijr=rk dk inf'kr djus okys 'kCn dfork ls NkV dj fyf[k, &

Lor=rk

----

ijr=rk

fitjc)

¼fitj e cn½

5- fo'k"k.k & fo'k"; feyku dhft, &

कनक	नभ
पुलकित	क्षितिज
स्वर्ण	अनार के दाने
नीला	श्रृंखला
तारक	पंख
सीमाहीन	तीलियाँ

6- D;k vki tkurs gSa fd 'kCn ftudk iz;ksx ge djrs gSa fdu&fdu o.kksZa ds esy ls curs gSa\ rks vkb;s ge igys dqN 'kCnksa dks vyx&vyx djus dk iz;kl djrs gSa& bl rjg 'kCn ds o.kksZa dks vyx&vyx djuk o.kZ foU;kl dgykrk gSA

उन्मुक्त = उ + न् + म् + उ + क् + त् + अ

पिंजरबद्ध = प् + इ + न् + ज् + अ + र् + अ + ब् + अ + द् + ध् + अ

अरे! वाह ये मेरे लिए बहुत बड़ा आश्चर्य है कि शब्द इतने वर्णों को मिलाने से बनते हैं। तो चलिए आप भी नीचे लिखे हुए शब्दों के वर्णों को अलग–अलग करके लिखिए।

पुलकित

कटुक = चुगते =

निबौरी = उड़ान =

फिरोज = तरू =

अब्राहम = रमेश =

तारक =

7- fn, x, 'kCnksa dk i;ksx dj ,d NksVh lh dfork dh jpuk dhft,& ¼dksbZ 5 i;ksx dj ldrs gSa½

t y] o{k] ikuh] fpfM;k] gok] Vguh] vkJ ;] mMku] uhM@?kksalyk] i[k

.....

.....

.....

.....

.....

8. 'यदि हमारे भी पंख होते'। अपने साथियों के साथ इस विषय पर चर्चा कीजिए।

अधिगम संप्राप्ति

- सुनी गई कविता को अपने शब्दों में कहते हैं।
- अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिख सकेंगे।
- पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं के प्रश्न बना पायेंगे और पूछ सकेंगे।
- अपरिचित शब्द, नए शब्दों के अर्थ शब्द कोष से खोजते हैं।

पाठ
2

हिमालय की बेटियाँ

नदी, पहाड़, समुद्र देखना, तो अपने आप में एक मनोहर दृश्य है। साथियों ! आप में से भी बहुत से बच्चों ने कोई न कोई नदी, पहाड़ या समुद्र देखा होगा। हम यहाँ इन सब की चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि आज हम 'हिमालय की बेटियाँ' पाठ पढ़ेंगे। 'हिमालय की बेटियाँ' निबंध, 'नागार्जुन' द्वारा लिखा गया। इस पाठ में 'नागार्जुन' ने प्रकृति के मानवीय रूप को दर्शाया है। मानवीकरण का मतलब है, प्रकृति को मानव रूप में देखना। इस पाठ में आप यह जानेंगे कि कवि ने नदियों को हिमालय की बेटियों के रूप में बताया है। हिमालय का पिता के रूप में और नदियों को बेटियों के रूप में दर्शाना ही प्रकृति का मानवीकरण है।

इस पाठ के माध्यम से आप यह जानेंगे कि नदियाँ कहाँ से आईं, इन्हें कहाँ जाना होगा और इनको रास्ते में क्या–क्या मिलता होगा ? आओ चलो, इस नदी की धारा के साथ–साथ हम भी चलते हैं.....

1- fn, x, iM+ dh ck;h vksj dh ifÙk;ksa ij fy[kk x, 'kCnksa ds lgh vFkZ dk ckWDl esa ls pqudj nk;h rjQ dh ifÙk;ksa esa fy[ksa &

खुशी, लौटाना, सभ्य, शान्त, आस्था–विश्वास

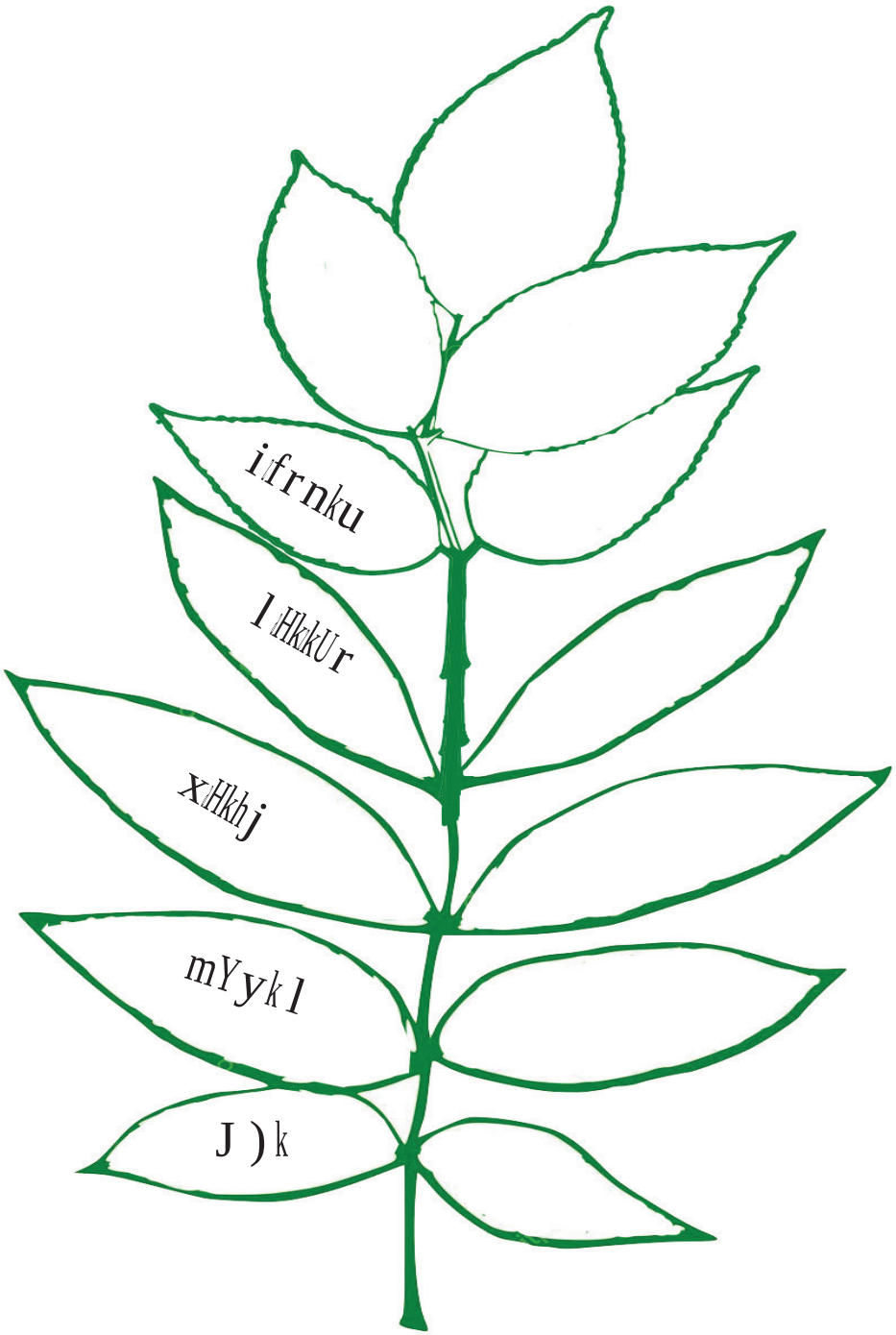

2- ^fgeky; dh cfV;k* ikB e vk, o{kk d ukek dk uhp cu iM dh ifÙk;k e fyf[k, &

3- ifÙk;k e fy[k fo'k"k.k dk fo'k"; Qyk e fy[k 'kCnk e l pudj nk;h rjQ dh ifÙk;k e fyf[k, &

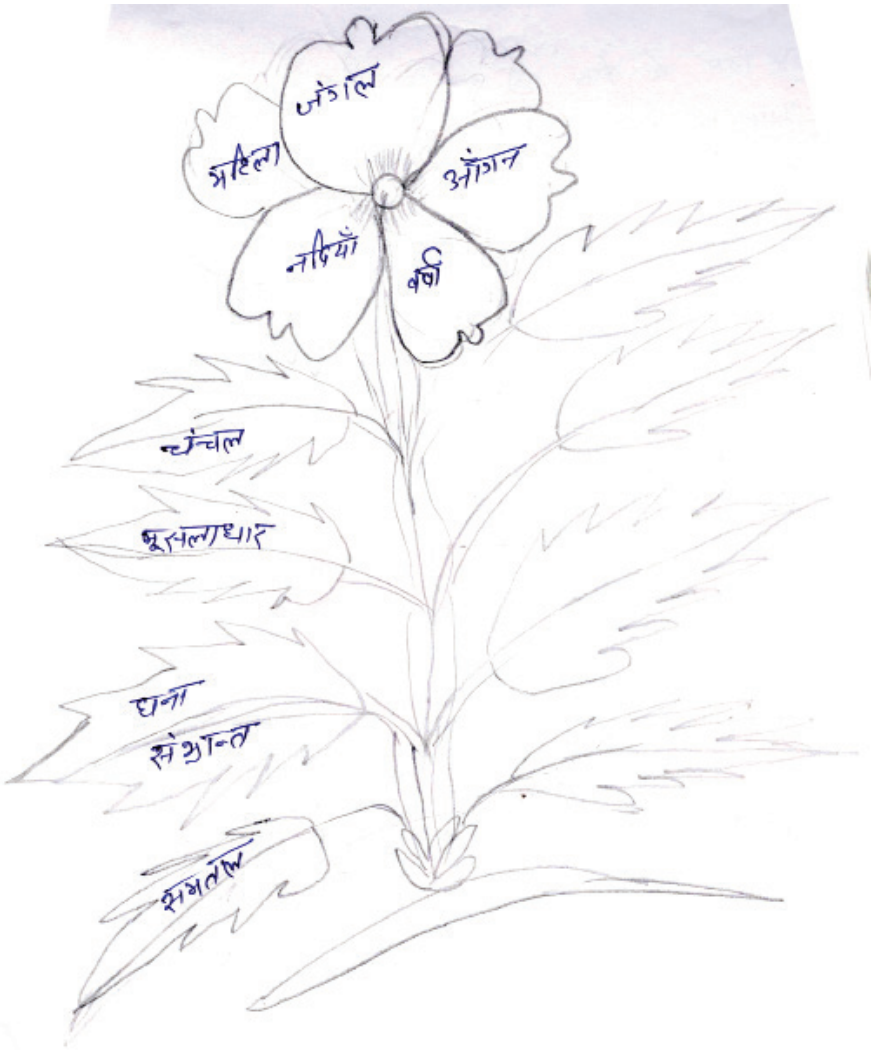

4- ykx ufn;k dk fdu :ik e n[kr g\

5- fiNyh ikB esa geus o.kZ foPNsn dh ckj esa i<k FkkA rks vkb;s] dqN 'kCnksa dk o.kZ foPNsn dj vH;kl djrs gSa &

संभ्रान्त = स् + अ + म् + भ् + र् + आ + न् + त् + अ

गम्भीर = ग् + अ + म् + भ् + ई + र् + अ

इसी प्रकार नीचे दिये शब्दों का अभ्यास करें –

महिला = ...

हिमालय = ...

विशाल = ...

विराट = ...

लोकमाता = ...

कपिशा = ...

लुभावना = ...

महेश = ...

6- ;okoLFkk e 0;fDr d lk egl l dj ldrk g\ mu 'kCnk dk <+< dj fyf[k, &

i	l	U	u	x	t
r	fu	jk	xh	dk	lk
jk	m	e	x	e	g
rk	l	[kh	x	dk	lh
tk	t	i	y	th	rk
e	t	'k	r	g	gh
c	f)	ek	u	K	y

_____

_____

_____

_____

_____

_____

7- jktk&jkuh esa }a} lekl gS ftlds vFkZ gSa jktk vkSj jkuhA tgk¡ ;kstd **(-hyphen)** dh txg ^vkSj* ;k ^;k* yx ldrk gks ogk¡ }a} lekl gksrk gSA fn, x, 'kCnksa ds tksM+ksa dks [kksy dj fyf[k,A

राजा–रंक = ...

रात–दिन = ...

घी–दूध = ...

अमीर–गरीब = ...

सुख–दुख = ...

काला–सफेद = ...

बच्चा–बूढ़ा = ...

नर–नारी = ...

8- vkidks ufn;ksa esa gksus okys iznw"k.k ds ckjs esa irk gksxkA mUgha ufn;ksa esa ,d ;equk unh Hkh gSA blds ty dks LoPN vkSj fueZy cukus ds fy, vki D;k&D;k dj ldrs gSa ,oa lcdks D;k lq>ko ns ldrs gSa\ fyf[k,A

9- vki viu dk unh ekur g, ,d i= d ek/;e l lHkh l fuonu dj fd vkid ty dk lkQ lFkjk j[ku e o vkidh enn djA

प्रिय देशवासियों

.....

मैं ..... नदी हूँ। .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

आपकी प्रिय नदी

.....

10- fp= dk n[kdj vki d eu e tk Hkh fopkj vk jg g mUg fy[kk &

.....

.....

.....

.....

.....

.....

11- fp= e¡ j¡x Hkj¡ &

12- lkQ&lnj okrkoj.k o ufn;k] gekj ifjo'k dk LoPN o gjk&Hkjk cukrh gA ijr vktdy ge n[kr g fd geu viu okrkoj.k dk xnk dj fn;k gA vki dN rjhd l>kb,] ftll vki viu okrkoj.k dk lkQ j[k ldr gA

अधिगम संप्राप्ति

- सामाजिक एवं संवेदनशील मुद्दों को समझते हैं।
- पाठ में आए विशेषण, विशेष्य व संज्ञा शब्दों को पहचानते हैं।
- विभिन्न परिस्थितियों के अनुरूप अपने अनुभव 8 से 10 वाक्यों में लिख सकते हैं।
- पाठ को पढ़कर उसके अच्छे एवं बुरे परिणामों का सही अनुमान लगाते हैं।

पाठ 3

कठपुतली

साथियो!.....कठपुतली का नाच देखना बहुत ही मनोरंजक होता है। आप बच्चों ने मेलों में कठपुतली को नाचते हुए अवश्य देखा होगा। मैंने भी एक बार कठपुतली का नाच देखा है, मुझे तो वह बहुत ही पसंद आया। परन्तु प्यारे साथियों! क्या तुमने कभी सोचा है कि इन कठपुतलियों को दूसरों के इशारों पर नाचना कैसा लगता होगा ?

'कठपुतली' कविता में कवि 'भवानीप्रसाद मिश्र' ने कठपुतलियों के विषय में बताया है। दुख से बाहर निकलने के लिए एक कठपुतली विद्रोह कर देती है। वह अपने पाँव पर खड़ी होना चाहती है। उसकी बात सभी कठपुतलियों को अच्छी लगती है। स्वतंत्र रहना कौन नहीं चाहता ? लेकिन, जब पहली कठपुतली पर सबकी स्वतंत्रता की जिम्मेदारी आती है तो वह सोच–समझ कर कदम उठाना जरूरी समझती है। चलो, हम कठपुतलियों के संसार में चलें.....

1- dBiqryh ds eu esa mB jgs Hkkoksa dks vius 'kCnksa esa fyf[k,&

....

....

....

....

....

2- uhp fn, x, fp=k dk n[kdj dBiqrfy;k d eu d Hkko mlh fp= d uhp fy[k&

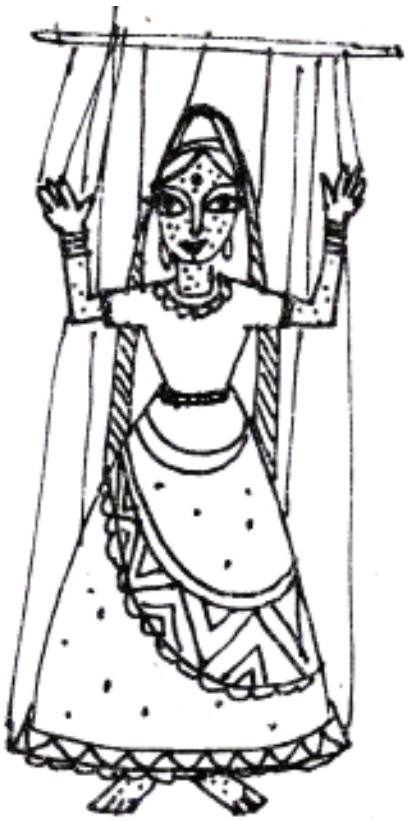

पहली कठपुतली

दूसरी कठपुतली

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

3- lLoj okpu dj &

कठपुतली

गुस्से से उबली
बोली– ये धागे
क्यों हैं मेरे पीछे–आगे?
इन्हें तोड़ दो,
मुझे मेरे पाँवों पर छोड़ दो।
सुनकर बोलीं और – और
कठपुतलियाँ
कि हाँ,
बहुत दिन हुए
हमें अपने मन के छंद हुए।

मगर.....
पहली कठपुतली सोचने लगी –
ये कैसी इच्छा
मेरे मन में जगी ?

– भवानी प्रसाद मिश्र

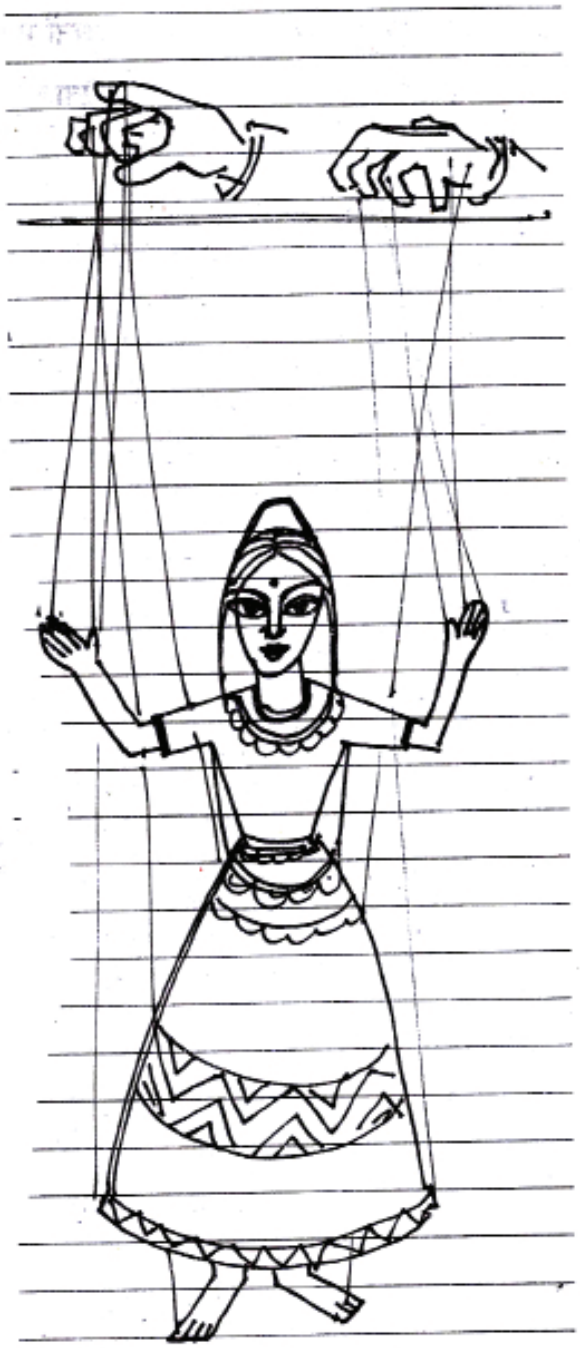

चित्र में अपनी पसंद से रंग भरें

4- dfork esa ls laKk o fØ;k 'kCn pqudj uhps fyf[k, &

laKk

fØ;k

5- vki l e pp k djus d s mijkr fyf[k, fd D;k ge Hkh ekckby] Vhoh] bVjuV d s gkFkk s dh dBi|ryh g\ d l s\

....

....

....

....

....

....

6- ;fn dBi|ryh dk ekfyd ¼ml s upkus okyk½ vki d s chp vk tk,] rks vki ml l s D;k&D;k i'u iNxs\

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

7- lgh mÙkj p|udj [kkyh LFkku dh i|fr| djk &

1. स्वतंत्र रहना .... नहीं चाहता ? (कौन / मौन)

2. दूसरों के इशारों पर .... में दुख होता है। (नाचने / गाने)

3. धागे से बंधी हुई कठपुतलियाँ .... हैं। (पराधीन / स्वाधीन)

4. वह अपने .... पर खड़ी होना चाहती है। (पाँव / हाथ)

5. सोच समझ कर कदम .... जरुरी है। (उठाना / गिराना)

8- dBi|ryh fdruh rjg l| cukb| tk ldrh g\ vki l e| fopkj foe'k| djd| mu lkekuk dh l|ph cukvk rFkk dkxt dh dBi|ryh cukdj mudk ukedj.k djkA

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

9- fp= n[kdj NkVh&lh dfork cukb, &

मैं हूँ कठपुतली

मुझे आकाश की ऊँचाइयों से

क्या ? .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

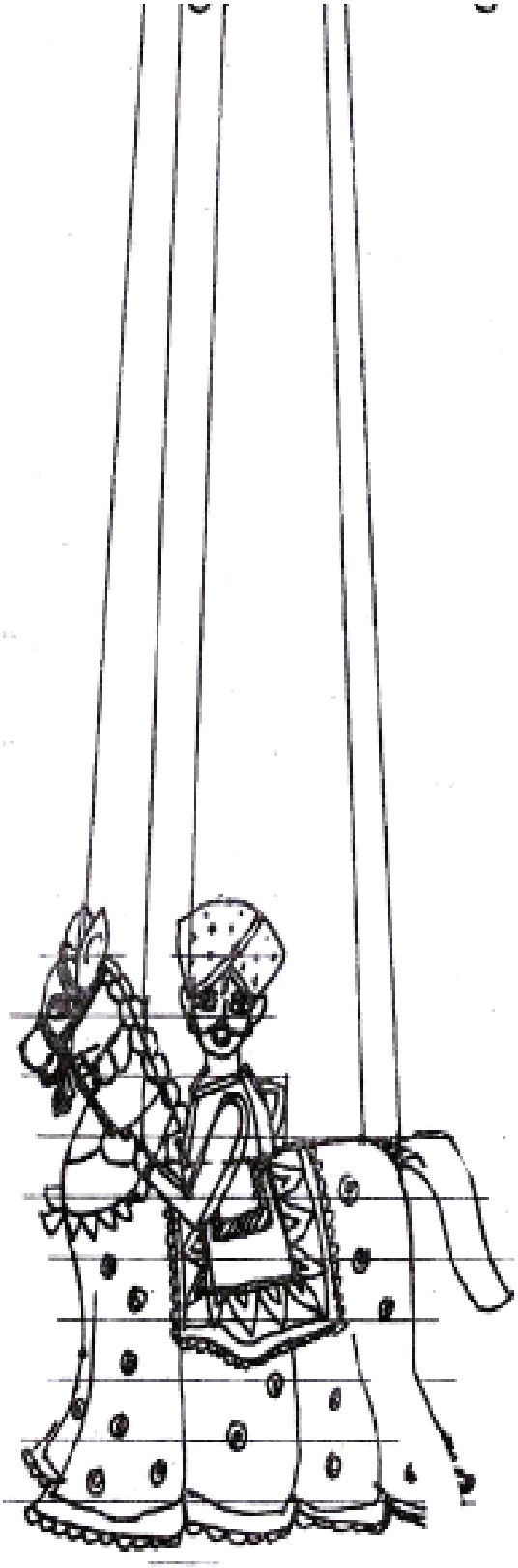

10- uhp dN Qy fn, x, gA mu Qyk d vnj dN iR; ; gA bu iR; ;k l 'kCn cuk, vkj Qyk dh ifÙk;k e mu 'kCnk dk fy[k &

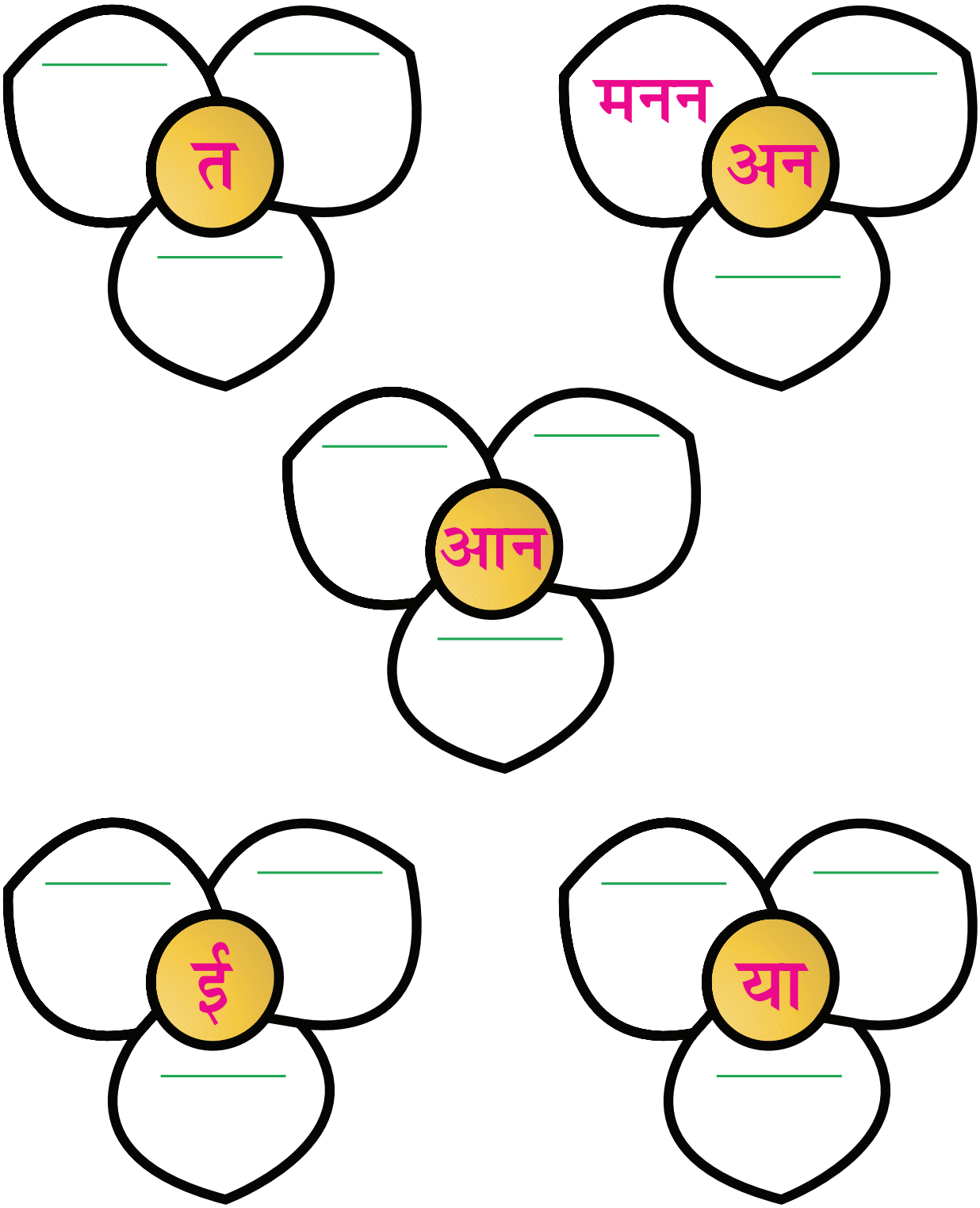

11- fuEufyf[kr 'kCnk d vFk fy[kdj okD;k e i;kx dhft, &

	'kCn	vFk	okD; i;kx
1.	क्रोध	गुस्सा	हमें क्रोध नहीं करना चाहिए
2.	इच्छा	.....	.....
3.	मन	.....	.....
4.	बंधन	.....	.....
5.	स्वतंत्रता	.....	.....
6.	ज़िम्मेदारी	.....	.....

12- okD; e j[kkfdr 'kCnk d LFkku ij lokuke 'kCn fy[kr g, okD; nkckjk fyf[k, &

अजय अच्छा लड़का है। अजय मेरा दोस्त है।
अजय अच्छा लड़का है वह मेरा दोस्त है।

क) नेहा सुनो! नेहा को अब घर जाना चाहिए।

.....

ख) निहित खाना खा रहा है। निहित को चावल अच्छे लगते हैं।

.....

ग) बच्चे खेल रहे हैं। बच्चों को बुला लाओ।

.....

घ) समीरा कह रही है, "समीरा कल आऊँगी"।

.....

ड.) कुसुम बहुत देर से खेल रही है। कुसुम को अब घर जाना चाहिए।

.....

अधिगम संप्राप्ति

- कविता को पढ़कर अपने शब्दों में कहना।
- अपनी बात को प्रभावी ढंग से व्यक्त कर पाते हैं।
- रचनात्मक तरीके से सोचते हैं?
- पाठ के सस्वर वाचन के उपरांत विशेष बिन्दु को खोजते, अनुमान लगाते व निष्कर्ष निकालते हैं।

पाठ 4

मिठाई वाला

बच्चो! आपने अपनी गली/मोहल्ले में बहुत से फेरीवालों की आवाजें सुनी होंगी। संभवतः आपने उनसे सामान भी खरीदा होगा। परंतु आपने उनकी स्थितियों या दिनचर्या आदि के बारे में शायद ही कोई बातचीत उनसे की हो। 'मिठाईवाला' पाठ में लेखक 'भगवती प्रसाद वाजपेयी' ने एक फेरीवाला जिसे 'मिठाईवाला' का नाम दिया है, विभिन्न वस्तुओं की फेरी लगाता है। उसके द्वारा लायी गई वस्तुएँ बच्चों को बहुत पसंद हैं। इस पाठ में उसके जीवन की परिस्थितियों को उजागर किया गया है। आप इस पाठ से यह जानेंगे कि वह बच्चों की ही मनपसंद चीजें क्यों लाता था एवं उसके जीवन की परिस्थितियाँ क्या थीं? पाठ में कुछ और मज़ेदार रोचक प्रसंग हैं। तो चलो, हम उन्हें भी जानें –

1- fn, x, iM+ dh ifÙk;k ¼ck;h vkj½ ij fy[k x, 'kCnk d lgh vFk nk;h rjQ dh ifÙk;k ij ckDl e l pudj fyf[k, &

Lokfn"V] vtck] gjkuh
ehBk] Lug lHkj ij

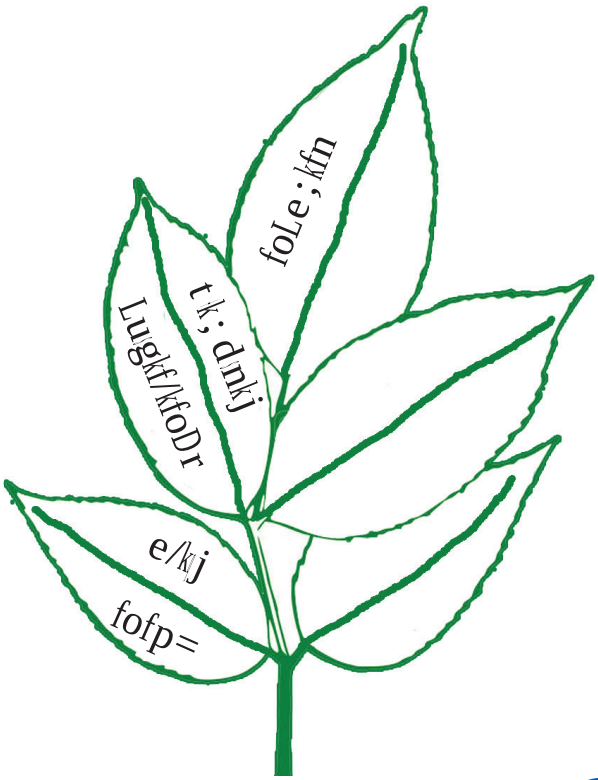

2- vkidk ^feBkbokyk* dh dku&dku lh ckr iln vkbl &

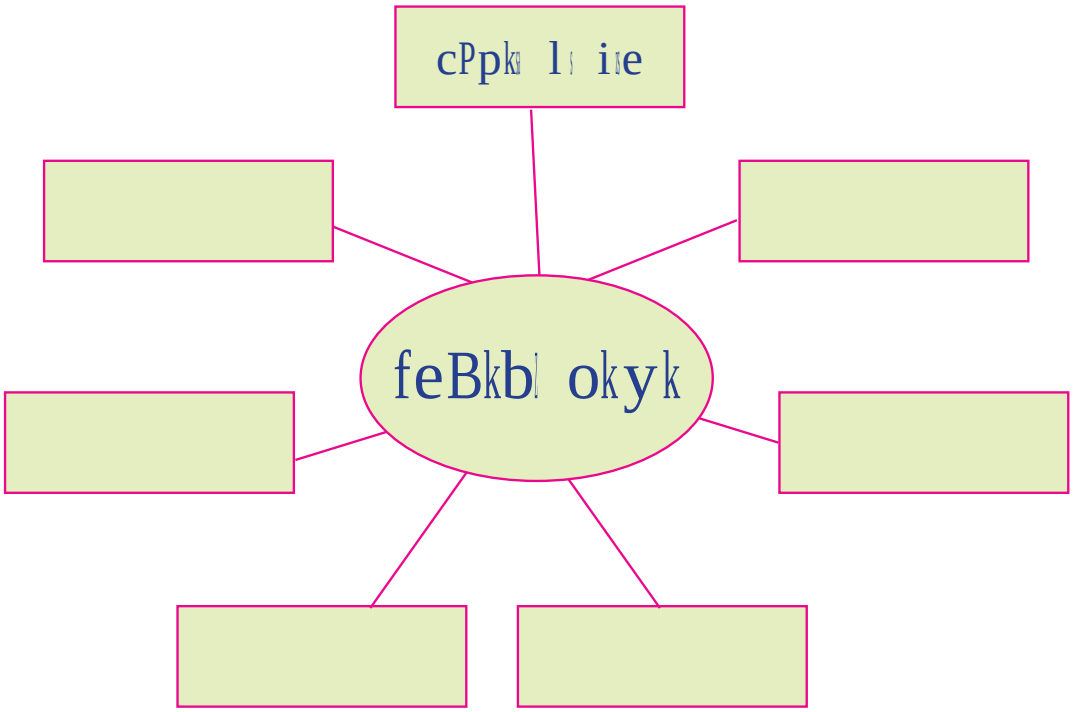

3- jkfg.kh dh dku lh nk ckr vkidk vPNh yxhA uhpq ckny dq fp=k e fyf[k,&

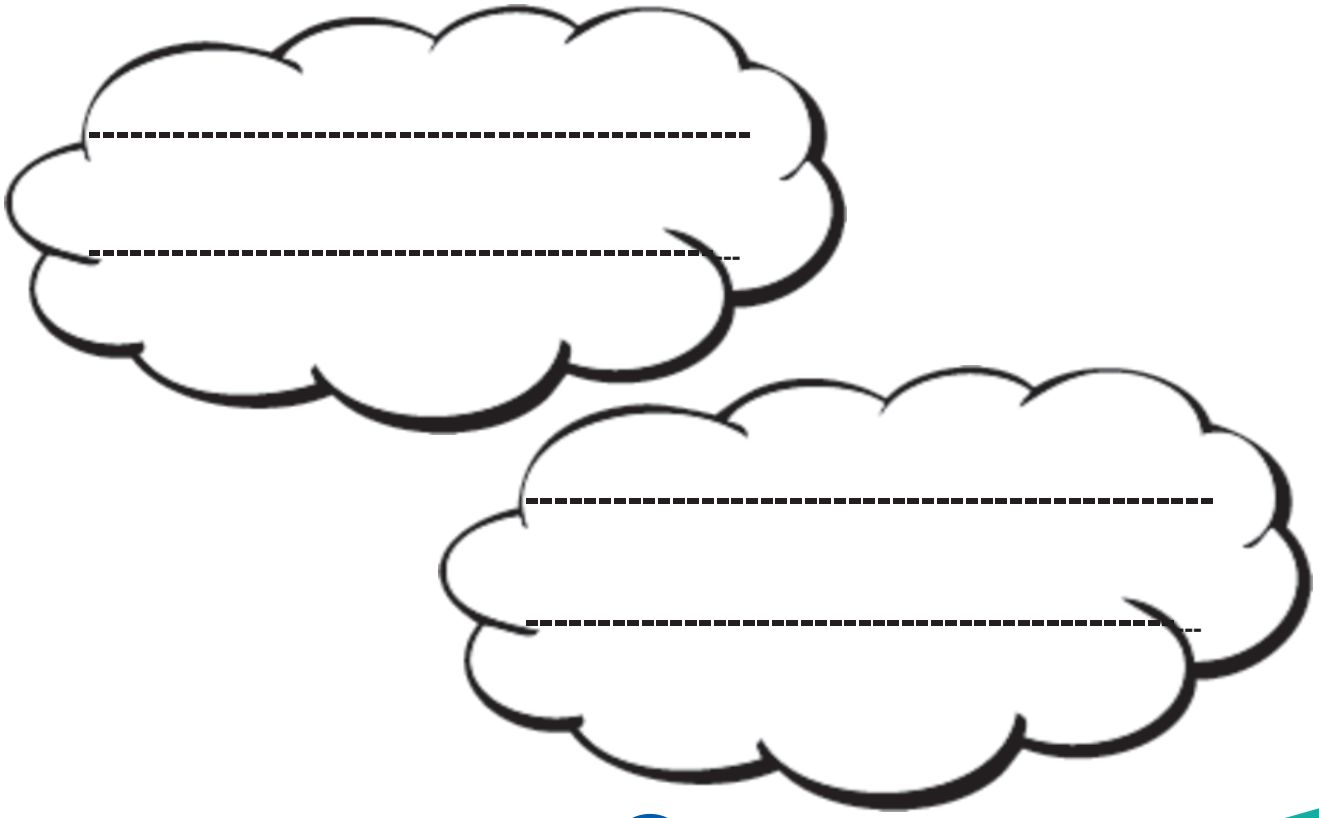

4- nqdku ls lkeku [kjhnus vkSj Qsjhokys ls lkeku [kjhnus esa D;k&D;k varj gS\ ;fn vki dks dksbZ lkeku [kjhnuk gks rks vki dgk¡ ls [kjhnuk ilan djsaxs\ fyf[k, &

5- vkiusfdlh Qsjhokys ls dHkh dksbZ lkeku [kjhnk gS rks crkb;s vkius mlds lkFk fdl izdkj eksy Hkko fd;k \ fyf[k, &

6- ^feBkbokyk* ikB dk ukVd d: i e viu v/;kid dh enn l iLr|r dhft,A

7- ;fn vkid fdlh ukVd e Qjhokyk cuuk iM rk vki fdl Qjhoky dk pfj= fuHkkuk iln djx vkj D;k\ fyf[k,A

8- uhp fn, x, Qjhoky vkidh xfy;k e t:j vkr gkx o fdl idkj dh vokt d }kjk vkidk viuh vkj [khpr g &

1. गोलगप्पे वाला ----------

2. बर्तनवाला ----------

3. चाट पकौड़ी वाला ----------

4. कबाड़ी वाला ----------

5. खिलौने वाला ----------

6. फल वाला ----------

7. कपड़े वाला ----------

8. फूल वाला ----------

9. सब्जी वाला ----------

10. झाड़ू वाला ----------

9- uhp fn, x, milx dk i;kx djr g, mnkgj.k d vu lkj vU; 'kCn fy[k &

milx

जो शब्दांश किसी शब्द के पहले लगकर उसे एक नया अर्थ प्रदान करता है, उसे उपसर्ग कहते हैं। जैसे – अ + धर्म = अधर्म।

अधर्म शब्द धर्म में 'अ' उपसर्ग लगाने से बना है।

1. अति – अतिरिक्त (क) ..... (ख) ..... (ग) .....

2. अधि – अधिकार (क) ..... (ख) ..... (ग) .....

3. अप – अपमान (क) ..... (ख) ..... (ग) .....

4. अव – अवकाश (क) ..... (ख) ..... (ग) .....

5. नि – निवास (क) ..... (ख) ..... (ग) .....

7. परि – परिवार (क) ..... (ख) ..... (ग) .....

8. प्र – प्रवेश (क) ..... (ख) ..... (ग) .....

9. वि – विकास (क) ..... (ख) ..... (ग) .....

10- fn, x, iR;; dk i;kx djr g, mnkgj.k d vuqlkj 'kCn fyf[k, &

iR;;

शब्द के अंत में जो वर्ण या वर्ण समूह लगकर उसे एक नया अर्थ प्रदान करते हैं उसे प्रत्यय कहा जाता है। जैसे मिठाई + वाला = मिठाई वाला।

'मिठाईवाला' शब्द मिठाई में वाला प्रत्यय लगाने से बना है।

1.	ई = गुलाबी	(क)	.....	(ख)	.....	(ग) .....
2.	इन = धोबिन	(क)	.....	(ख)	.....	(ग) .....
3.	वाला = दूधवाला	(क)	.....	(ख)	.....	(ग) .....
4.	मान = शक्तिमान	(क)	.....	(ख)	.....	(ग) .....
5.	नी = हिरनी	(क)	.....	(ख)	.....	(ग) .....
6.	ऐया = खेवैया	(क)	.....	(ख)	.....	(ग) .....
7.	इया = बढ़िया	(क)	.....	(ख)	.....	(ग) .....
8.	आ = चला	(क)	.....	(ख)	.....	(ग) .....
9.	ऊ = झाड़ू	(क)	.....	(ख)	.....	(ग) .....
10.	हार = होनहार	(क)	.....	(ख)	.....	(ग) .....

अधिगम संप्राप्ति

- कहानी को पढ़कर रचनात्मक तरीके से सोचते हैं।
- कहानी में आए क्षेत्रीय शब्द (अपरिचित शब्द) के अर्थों को समझते हैं।
- पाठ के संदर्भ को समझकर उससे स्वयं को जोड़ पाते हैं।
- विभिन्न परिस्थितियों के अनुरूप अपने अनुभव 8 से 10 वाक्यों में लिख सकते हैं।

पाठ
5

रक्त और हमारा शरीर

प्यारे बच्चों! आपने चोट लगने पर रक्त (खून) को बहते अवश्य देखा होगा। परंतु क्या आपको पता है कि हमारे शरीर में कितना रक्त है, यह किन–किन तत्वों से मिलकर बना है, शरीर में रक्त की कमी से क्या होगा आदि। यदि आपको इन प्रश्नों के उत्तर मिल जाएं तो आप मानव शरीर व रक्त के बारे में बहुत कुछ जान जाएँगे। रक्त की कमी से बचने के लिए हमें क्या–क्या खाना चाहिए, यह जानना भी हमारे लिए बहुत जरूरी है। तो आइए, रक्त और हमारे शरीर को जानने के लिए यह रोचक पाठ पढ़ें।

1- fuEu 'kCnksa dk mlds lgh vFkZ ds lkFk feyku dhft, &

	'kCn	vFkZ
1.	जिज्ञासा	एक ऐसा यंत्र जो छोटी से छोटी वस्तु को बड़ा करके दिखाए
2.	द्रव	एक प्रकार की मिठाई
3.	सूक्ष्मदर्शी	जानने की इच्छा
4.	रक्त	भोजन
5.	बालूशाही	तरल पदार्थ
6.	पौष्टिक	परिणाम
7.	आहार	लेना/स्वीकार करना
8.	ग्रहण	खून
9.	नतीजा	गंदा
10.	धावा	पोषण तत्वों से युक्त
11.	पूर्व	रक्त का तरल भाग
12.	खाद्य	अंदर
13.	दूषित	हमला
14.	प्लाज़मा	खाने योग्य
15.	भीतर	पहले

2- jDr c<+kus ds fy, D;k [kk,¡\
lgh ij xksyk yxk,¡A

अंडा	पिज़्ज़ा	गुड़	चावल	फल
मिठाई	दूध	हरी सब्जी	बिस्कुट	चॉकलेट

3- lgh ij ¼✓½ fpgu vkj xyr ij ¼✗½ fpgu yxk,¡ &

क) कोई भी व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। ☐

ख) हर किसी का रक्त समूह एक सा नहीं होता। ☐

ग) रक्तदान से कमज़ोरी नहीं आती। ☐

घ) रक्तदान करने के कुछ ही दिनों बाद शरीर में रक्त वापस बन जाता है। ☐

4- jDr c<kus ds fy, ge D;k&D;k [kkuk pkfg, & fp= cuk,¡ ;k fpidk,¡

5- ,uhfe;k ge fdu dkj.kk l gk ldrk g\ uhp fy[k&

6- fjDr LFkku Hkj &

- रक्त में कुछ लाल, कुछ सफेद और कुछ रंगहीन कण जिन्हें हम ..... कहते हैं।
- एनीमिया ..... की कमी और ..... के हो जाने पर होता है।
- बिंबाणुओं का काम है चोट लगने पर ..... क्रिया में मदद करना।
- रक्तदान करते समय व्यक्ति से लगभग ..... रक्त ही लिया जाता है।
- हमारे शरीर में लगभग ..... लीटर खून होता है।

7- okD;k e lgh fojke fpgu pqudj yxkvk &

क) तुम किसे ढूंढ रहे हो (?/।)

ख) कितना सुंदर पक्षी है (?/।)

ग) गिरीश बाहर खेल रहा है (।/!)

घ) नेहा और मेघा अच्छी सहेलियाँ हैं (।/?)

ड.) काश मेरे पास भी मोबाइल होता (!/?)

8- mfpr fojke&fpgu yxkdj okD; nkckjk fyf[k, &

क) माँ ने कहा खाना खाते समय ज्यादा नहीं बोलो

.....

ख) हमें अपने भोजन में फल, साग–सब्ज़ी, दाल, दही और अनाज शामिल करना चाहिए

.....

.....

ग) क्या तुम हमेशा इतना धीरे–धीरे चलते हो

.....

घ) हाय! मैं तो लुट गया

.....

ox&igyh

9- ox&igyh e l uhp fn, x, okD;k'kk d fy, ,d 'kCn pudj fy[kk &

'kk	dk	gk	jh	d	t
vk	fLr	d	fo	uh	n
Kk	vk	/k	fu	d	fu
dk	x	v	e	Y;	d
jh	xk	eh	.k	i	M

क) जिसका मूल्य न आँका जा सके – ....

ख) जो मांस–मछली न खाता हो – ....

ग) जो ईश्वर में विश्वास रखता है – ....

घ) जो आज के समय का हो – ....

ङ.) जो कविता लिखता है – ....

च) गाँव का रहने वाला – ....

छ) प्रतिदिन होने वाला – ....

ज) बड़ों की आज्ञा मानने वाला – ....

10- iR;sd ifDr esa ls fHkUu vFkZ okyk 'kCn pqudj fyf[k, &

डाली	तना	टहनी	शाखा	.....
तरु	पात	पत्ते	पत्र	.....
फूल	कमल	सुमन	कुसुम	.....
टहनी	तरु	वृक्ष	तरुवर	.....
गगन	नभ	बादल	आसमान	.....

11- 'kCnksa dh lgh orZuh dk uhps j[kk [khfp, &

क)	ग्रहकार्य	गृहक्राय	गृहकार्य	ग्रहक्राय
ख)	दवाईयाँ	दवाइयाँ	दवाईया	दवईयाँ
ग)	क्रपया	क्रप्या	किरपया	कृपया
घ)	प्रार्थना	प्राथार्ना	प्रार्थना	परार्थना
ड.)	स्वास्थ	स्वास्थ्य	स्वस्थ	सवास्थ्य
च)	अतिथि	अतीथि	अतिथी	अतथि
छ)	अजाद	आजाद	अज़ाद	आज़ाद
ज)	चिड़िया	चिड़ीया	चिडिया	चीड़िया

12- ;fn vkids fdlh lkFkh dks pkV yx tk, rks vki D;k djsaxs \

....

....

....

....

....

....

13- ;fn dksbZ 0;fDr jDrnku djuk pkgs rks vki mls jDrnku ds fy, D;k&D;k 'krsZ crk,¡xsA

....

....

....

....

....

अधिगम संप्राप्ति

- सामाजिक एवं संवेदनशील मुद्दों को समझते हैं।
- पाठ में आए अपरिचित शब्द, नए शब्दों को पहचानते हैं।
- विभिन्न परिस्थितियों के अनुरूप अपने अनुभव 8 से 10 वाक्यों में लिख सकते हैं।

पापा खो गए

हमारी कल्पनाओं का संसार बहुत ही विचित्र है। जब हम अपनी कल्पनाओं में खो जाते हैं, उस समय हमारे चारों ओर का वातावरण जीवंत हो उठता है। यानि जो भी निर्जीव चीज़ हमारे सामने होती है, कल्पना के संसार में वह बोलती है, चलती है, नाचती है, उठती है, बैठती है। इस कल्पना के संसार में कई बार कुर्सी हमसे बातें करने लगती है। रास्ते में चलते–चलते पेड़ हमारे साथ चलने लगता है।

कई बार कल्पना के बादलों में उड़ते–उड़ते आप ने भी ऐसे अनुभव किए होंगे। आप को पता है, मैं आप से कल्पना लोक का ज़िक्र क्यों कर रही हूँ? क्योंकि प्रस्तुत पाठ "पापा खो गए" भी पूरा का पूरा फैंटेसी है यानी कि काल्पनिक घटना। यह पाठ आप को एक अलग ही कल्पना लोक में ले जाएगा। जहाँ बिजली का खंभा, पेड़, लैटरबॉक्स, कौआ आपस में बातें करते है। यहाँ तक कि पोस्टर का चित्र भी नाचता हे। इसके साथ इस पाठ में एक लड़की भी है जिसे अपने घर का रास्ता नहीं पता है। उस लड़की की समस्या का समाधान भी ये निर्जीव वस्तुएँ ढूंढ निकालती है।

अरे.....अरे! रुको! आप तो अभी से उतावले हो उठे इनकी बातें सुनने के लिए। यह भी तो जान लीजिए कि इन कल्पनाओं की दुनिया में सैर कराने वाला पाठ लिखा किसने है? इस फंतासी दुनिया के लेखक विजय तेंदुलकर हैं। मूलतः यह नाटक मराठी भाषा में लिखा गया है। हिंदी भाषी बच्चे यानि कि आप भी इस रोचकता पैदा करने वाले नाटक का भरपूर आनन्द उठा सकें, इसलिए इसे हिन्दी भाषा में अनुदित किया गया।

1- fuEu 'kCnk d vFk fiVkj e l <| &

आकृति	चौकस	बोरियत
दुष्ट	आफ़त	स्वप्न
तकलीफ़	निर्जीव	गुरूर
व्याकुल	फोकट	स्वीकृति
जम्हाई	संरक्षण	चिट्ठी
भंगिमा	स्तब्ध	प्रेक्षक

भावयुक्त आकृति	बुरा	सचेत	परेशानी
रेखाचित्र	सपना	जीवन रहित	सहमति
मुसीबत	नीरसता	मुफ्त	अकड़
परेशानी	हैरान	बचाव	उबासी
पत्र	बेचैन		

2- bl ukVd e vkidk lcl vPNk ik= dku lk yxk \ dkj.k Hkh fyf[k,A

.....

.....

.....

.....

.....

.....

3- bl ukVd dk NkVh dgkuh e cnydj fyf[k, &

.....

.....

.....

.....

.....

.....

4- uhp ,d xn;k'k gA bl xn;k'k e fojke fpgu yxkb,A

मुझ पर भी एक रात आसमान से गड़गड़ाती बिजली आकर पड़ी थी अरे बाप रे वो बिजली थी या आफ़त याद आते ही अब भी दिल धक–धक करने लगता है और बिजली जहाँ गिरी थी वहाँ खड्डा कितना गहरा पड़ गया था खंभे महाराज अब जब कभी बारिश होती है तो मुझे उस रात की याद हो आती है अंग थर–थर काँपने लगते हैं।

5- Åij okys fp= dks ns[kks vkj mlls lcf/kr tks is'u vki ds eu es mHkj jgs gks mUgs fy[kks &

प्र.1 ....

....

प्र.2 ....

....

6- 'kCn tky

bl eNyvkj d tky l 'kCn fudkyk &

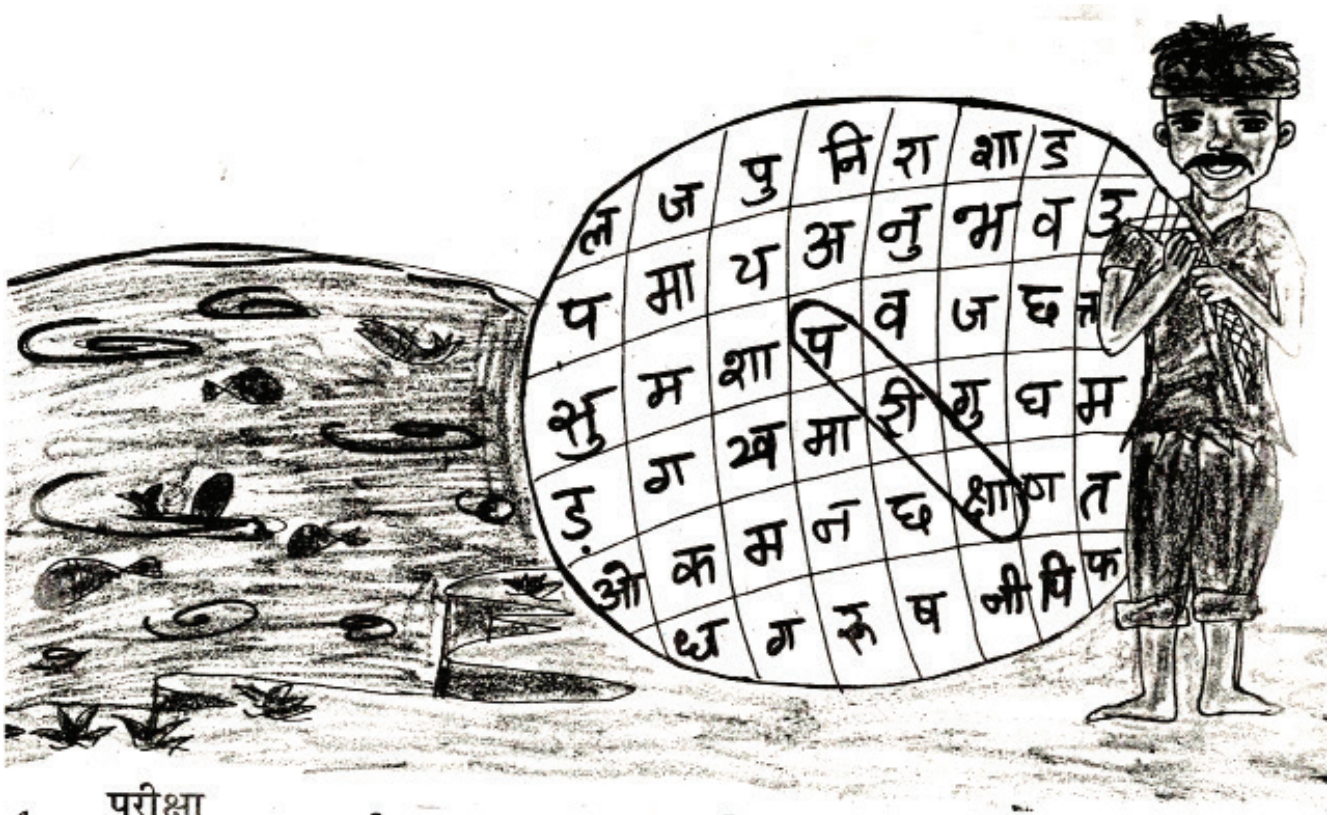

1. परीक्षा
2. _____
3. _____
4. _____
5. _____
6. _____

7- oxZ igsyh esa ls leku vFkZ okys 'kCn pqudj vyx&vyx fyf[k, &

lw	j	t	es	fn
ik	uh	y	?k	u
d	j	fo	u	d
e	t	y	t	j
y	?k	Vk	Qw	y

------------------------ ------------------------ ------------------------

------------------------ ------------------------ ------------------------

------------------------ ------------------------ ------------------------

------------------------ ------------------------ ------------------------

8- vki cPph dks ikik dks [kkstus esa fy, D;k&D;k dj ldrs Fks \

9- yMdh] dkvk] yVjckDl] iM vkj [kHkk lHkh ik=k dk feykdj ikB l vyx ,d NkVk lk u;k ukVd fyf[k, o ml d{kk e dfj, &

ukVd

10- ;g ehuk g] bls bldk ?kj rd igpkvks &

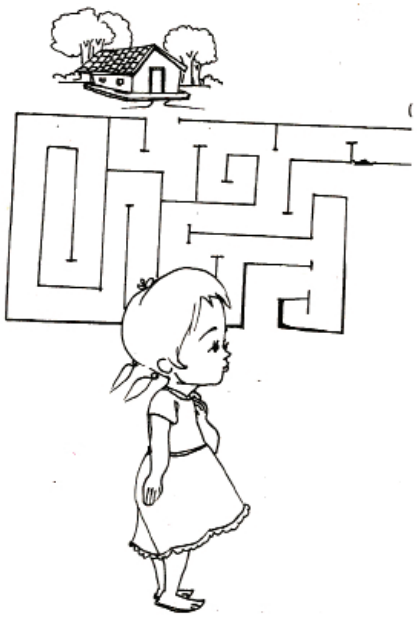

11- esjs vkj dqlh dh ckrs

bl ikB esa dN futho pht ksa u vkil esa lokn LFkkfir fd, x, gS vki Hkh dN lokn fyf[k, &

मेज –

कुर्सी –

मेज –

कुर्सी –

मेज –

कुर्सी –

अधिगम संप्राप्ति

- नाटक को पढ़कर रचनात्मक तरीके से सोचते हैं।
- अपने आसपास होने वाली घटनाओं और अपने अनुभवों के विषय में बातचीत करते हैं। और सवाल पूछते हैं।
- विभिन्न स्थितियों के अनुसार 8 से 10 वाक्यों में लिखते हैं, जैसे पत्र, निबंध।

पाठ 7

चिड़िया की बच्ची

पक्षियों का संसार भी कितना विचित्र है। सुबह अपने घोंसले से दाने–पानी की तलाश में निकलते हैं, आसमान में उड़ते हैं, और शाम को वापिस अपने घोंसले में चले जाते है। उन्हें अपना घर बहुत प्यारा लगता है। क्यों न लगे प्यारा, हम इंसानों को भी तो अपना घर बहुत पसंद है। पक्षियों की बात आई है तो, मैं यह बताना चाहूँगी कि मुझे भी पक्षी बहुत पसंद है, खासतौर पर कबूतर। जब भी मैं कबूतर को दाना खाते हुए देखती हूँ, मुझे वह बहुत सुंदर लगते हैं। उनका गर्दन घुमाकर इधर–उधर देखना तो बहुत अच्छा लगता है। इसी तरह, बच्चों आपको भी पक्षी पसंद होंगे। आपको भी पक्षियों को देखना बहुत पसंद होगा। प्रस्तुत पाठ 'चिड़िया की बच्ची' एक छोटी–सी, प्यारी–सी चिड़िया की कहानी है। जिसे आकाश में घूमने, बगीचे में सैर करने, इस डाल से उस डाल पर थिरकने में खुशी मिलती है। चिड़िया के साथ–साथ इस कहानी में एक माधवदास भी है, जिनके घर में एक सुहावना बगीचा है। उस बगीचे में एक दिन लाल गर्दन वाली सुंदर चिड़िया आ जाती है। इतनी सुंदर चिड़िया देख, माधवदास का मन चिड़िया को अपने पास रखने का होता है। वह चिड़िया को अपने पास रहने के बहुत से प्रलोभन (लालच) देता है। परंतु चिड़िया को अपनी माँ और अपना घोंसला बहुत पसंद है।

बच्चो! आप ही बताओ कि यदि आप को सारी सुविधाएँ देकर एक कमरे में सारा दिन बंद रहने को कहा जाए तो क्या आप मान लेंगे। मुझे लगता है आप का उत्तर होगा 'नहीं'। शायद मैं ठीक कह रही हूँ।

आप सोच रहे होंगे कि क्या माधवदास ने छल–कपट से चिड़िया को बंद तो नहीं कर लिया। परंतु यह बात तो माधवदास के बगीचे में जा कर ही पता चलेगी।

अरे.....अरे..... रुको, यह भी तो जान लो कि यह कहानी लिखी किसने है। यह कहानी हिंदी के प्रसिद्ध कथाकार, उपन्यासकार 'जैनेंद्र कुमार' ने लिखी है।

चलो आओ बच्चों, अब हम इस मनोरंजक कहानी में चिड़िया के साथ माधवदास के बगीचे में चलते हैं.....

1- feyku djs &

1.	प्रेम	सुंदर
2.	सुहावना	सफेद सुंदर पत्थर
3.	व्यसन	सपना
4.	संगमरमर	प्यार
5.	स्वप्न	बुरी आदत
6.	ज़िंदगी	बिना रोक टोक के
7.	संध्या	ज़रा
8.	तनिक	शाम
9.	बेखटके	जीवन
10.	सकुचाना	डरना
11.	भयभीत	सांत्वना
12.	चित्त	शर्माना
13.	प्रफुल्लित	रोशनी
14.	उजेला	बंद करना
15.	ढांढस	मन
16.	मींचना	प्रसन्न

2- dgkuh esa fpfM+;k dh txg ;fn vki gksrs] rks ek/konkl ds ykyp nsus ij vki D;k djrs\ viuk mÙkj dk dkj.k Hkh fyf[k, &

....

....

....

....

.....

.....

3- ikB e vk, bu 'kCnk d or eku : i fiVkj e l NkV dj fyf[k, &

तैंने

छनभर

खुश करियो

पगली

जात

निरी

करियो

जतन

उजेला

4- fuEu 'kCnk d okD; cukdj fyf[k, &

1. कर
   - हाथी ....
   - हाथ ....

2. वार
   - दिन ....
   - हमला ....

3. काल
   - समय ....
   - मृत्यु ....

4. जल
   - पानी ....
   - जलना ....

5. कल
   - पुर्ज़ा ....
   - आने वाला कल ....

6. हार
   - गहना ....
   - हारना ....

5- bl cxhp e ifYyx vkj L=hfyx oky dN 'kCn gA mudk <<dj fy[kk &

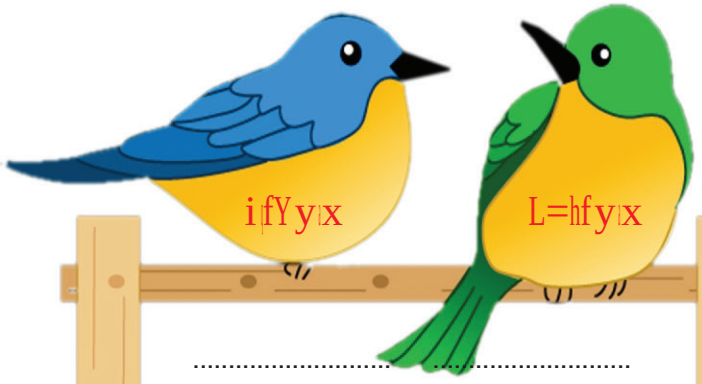

6- ^v* yxkdj 'kCnk e ifjorlu ykvk vkj foyke 'kCn ikvk &

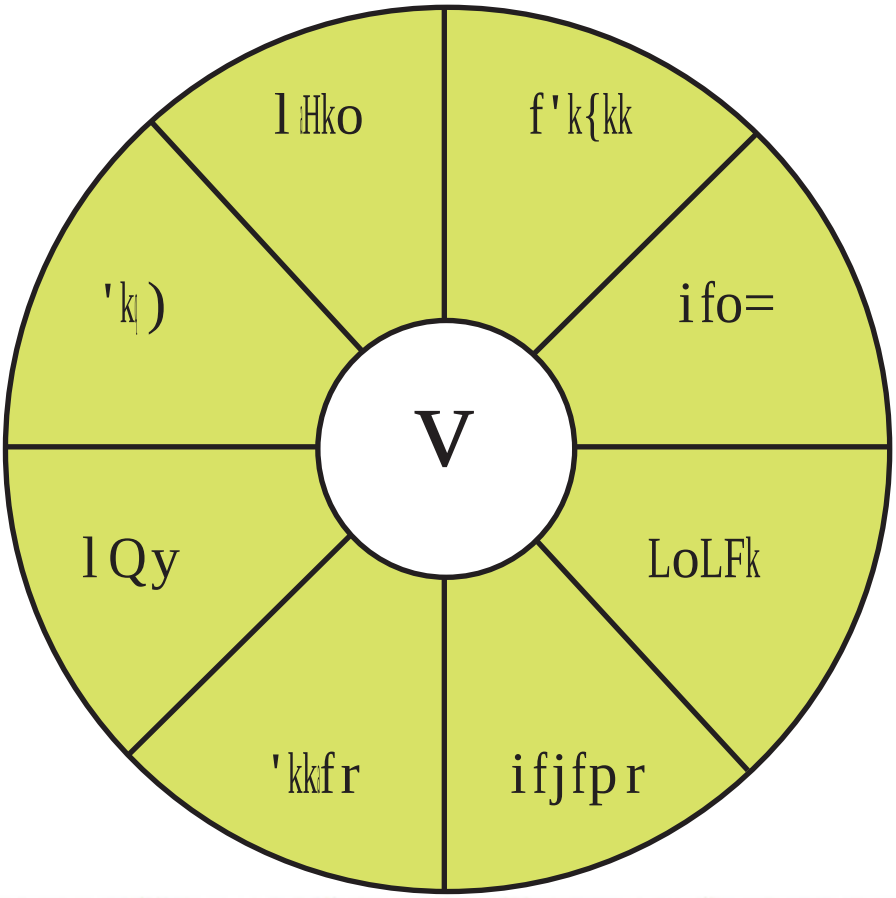

v lHko ------------------------------------

------------------------------------ ------------------------------------

------------------------------------ ------------------------------------

------------------------------------ ------------------------------------

7- uhp fy[k 'kCnk dk cgopu e cnyk &

cgu	cgu
iLrd	
i[kk	
ekyk	
?kkM+k	

8- fp= dk uke fy[kdj dgkuh iwjh dhft, &

एक दिन एक ..... किनारे टहल रहा था। उसने ..... को .... में तैरते देखा। उसने सोचा कि मैं भी तैरूँगा। ... . के किनारे ..... के पास एक 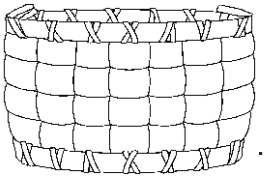 ..... दिखाई दी। ..... 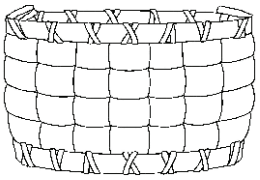 ..... उठा लाया। उसने 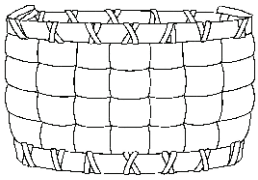 .... को उलटा करके ..... में डाला और उछल कर उसमें बैठ गया। ..... और ..... दोनों साथ–साथ तैरने लगे।

9- viuh ek¡ dh QksVks fpidk dj muds ckjs esa 8&10 okD; fyf[k, &

10- lkp dj fyf[k, fd D;k lq[kh jgus ds fy, laiUu gksuk vko';d g\ dkj.k Hkh fyf[k, &

अधिगम संप्राप्ति

- कहानी को पढ़कर रचनात्मक तरीके से सोचते हैं।
- पढ़ी हुई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं के प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं।
- अपने अनुभवों की अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

पाठ 8

अपूर्व अनुभव

ikB io'k &

बच्चे कुछ समय पहले आपने समाचारों में यह खबर देखी या सुनी होगी कि रियो में हुए पैरा ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला दीपा मलिक थी। आप को पता है कि दीपा मलिक पैरों से चलने में सक्षम नहीं है। जानते हैं, यह जिक्र यहाँ पर क्यों किया गया ? आप समझ गए होंगे कि प्रस्तुत पाठ की प्रकृति भी इस बात से मेल खाती है। जिस प्रकार से दीपा मलिक ने पैरालंपिक की महिला गोला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीत कर अद्भुत साहस का परिचय दिया है, वैसे ही प्रस्तुत पाठ 'अपूर्व अनुभव' दो बच्चों के अदम्य साहस के अनुभवों पर आधारित हे। आपकी ही उम्र की तोत्तो–चान इस कहानी की नायिका है। तोत्तो–चान के बचपन का यह वास्तविक अनुभव है। यह अनुभव बहुत साहस से भरा हुआ है। यासुकी–चान, जो पोलियो ग्रस्त है, उसे तोत्तो–चान एक ऐसा अनुभव प्राप्त करने में मदद करती है, जो उसके लिए उमंग और उल्लास से भरा हुआ है। ऐसा अपूर्व अनुभव जो दुनिया की एक नयी झलक दिखाने वाला था, शायद ही उसे कोई और दिखा पाता। आप तो तोत्तो–चान के अपूर्व अनुभव को जानने के लिए एक दम उतावले हो उठे। परन्तु साथियों, यह भी जानो कि यह सुन्दर अनुभव लिखा किसने है? यह संस्मरण (यानि अतीत की घटना पर आधारित) जापानी लेखक तेत्सुको कुरियानागी ने रचा है। मूलतः यह जापानी भाषा में लिखा गया है। आप सभी बच्चे भी इस साहस पैदा करने वाली रचना का आनन्द उठा सके, इसलिए इसका अनुवाद पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा ने किया है। लेखिक के अपने बचपन के अनुभवों पर आधारित पुस्तक 'तोत्ता–चान' है। इस पुस्तक के एक अंश को यहाँ प्रस्तुत किया गया हे। जिस का नाम 'अपूर्व अनुभव' है।

मैं अब आप को और नहीं रोकती। चलिए, अब आप तोत्तो–चान के साथ एक साहस भरे अपूर्व अनुभव के मज़े लीजिए।

1- uhps ikB esa vk, dqN uohu 'kCn rFkk mudk vFkZ fn, x, gSa] ijUrq mudk vFkZ frrj&fcrj gks x, gSaA D;k vki 'kCnksa dk mudk lgh vFkZ ls feyku djrs gSa\

भेद	तजुर्बा, ज्ञान
न्योता	हिम्मत
उल्लास	राज, रहस्य
शिष्टता	दिल से
अनुभव	निराश
साहस	आमंत्रण
हताश	अच्छा
हार्दिक	आनंद
जूझना	संघर्ष करना
धकियाना	चाह
सूना	धक्का देना
इच्छा	आखिरी
ताप	निर्जन
प्रयत्न	गर्मी
अंतिम	कोशिश

2- vkids vuqlkj rksÙkks pku us vius nksLr ;klqdh pku dks isM+ ij p<+kus ds fy, vFkd iz;kl D;ksa fd;k gksxk \

....

....

....

....

....

....

3- iM+ ij p<us ij rksÙkks&pku vkSj ;klqdh pku dk vyx&vyx vuqHko gqvk gksxkA nksuksa ds viwoZ vuqHko esa D;k varj jgk gksxk\ lkspdj fyf[k,A

तोत्तो चान के अपूर्व अनुभव	यासुकी चान के अपूर्व अनुभव
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

4- rksÙkks&pku dh rjg vki viuh fdlh lQyrk dks fy, rhoz bPNk vkSj cqf) dk mi;ksx dj dBksj ifjJe djuk pkgrs gSa\ fyf[k,A

....

....

....

....

....

....

....

....

....

5- fuEufyf[kr i'uk d mÙkj fn, x, fodYik e l pqudj fyf[k, &

1. यासुकी चान को क्या शारीरिक समस्या थी ?

   क) श्रवण बाधिता

   ख) दृष्टि बाधिता

   ग) पोलियो

   घ) कुछ भी नहीं

2. तोत्तो–चान, यासुकी–चान को कैसे हँसाती है ?

   क) तरह–तरह के मुँह बनाकर

   ख) गाना गाकर

   ग) नाचकर

   घ) रोकर

3. दोनों के लिए पेड़ पर चढ़ना और चढ़ाना कैसा अनुभव था ?

   क) कड़वा

   ख) अपूर्व

   ग) भयानक

   घ) इनमें से कोई नहीं

4. तोत्तो–चान यासुकी–चान को कहाँ मिलती है ?

   क) घर

   ख) पुल

   ग) स्कूल

   घ) मंदिर

6- tc rkÙkk pku u viuh ek¡ l s >B ckyk] rc ml dh u t j uhp s FkhA ,sl k D;k gq vk\ vki D;k lkprs g\] fyf[k,A

....

....

....

....

....

....

....

....

....

7- c>k rk tku s &

उदाहरण

चार पायों की खाट — चारपाई

1. जो कभी न मरे ....

2. जो परिचित न हो ....

3. जिसका ईश्वर में विश्वास न हो ....

4. जो अचानक आ गया हो ....

5. जो नष्ट न हो सके ....

6. जो पहले कभी न हुआ हो ....

8- nfo'kk[kk 'kCn nfo vkj 'kk[kk d; kx l cuk gA nfo dk vFk g& nk vkj 'kk[kk dk vFk g& MkyA nfo dh rjg f= l cuu okyk 'kCn f=dk.k tkur gA f= dk vFk g rhuA bl idkj pkj] ikp] Ng] lkr] vkB] uk vkj nl l[;kokph lLd`r 'kCn mi;kx e vDlj vkr gA fgnh] lLd`r] vxzth e l[;kokph 'kCnk dh /ofu;k dN&dN feyrh tyrh gA tl & fgnh & vkB] lLd`r & v"V] vxzth & ,VA

निम्न तालिका को पूरा करे।

संख्या	हिंदी	संस्कृत	संख्यावाची शब्द	अंग्रेजी
2	दो	द्वि		Two – टू
3			त्रिकोण त्रिभुज	Three –
4		चत्वारः		
5	पाँच			– फाइव
6			षट्भुज षट्कोण	
7				Seven –
8	आठ	अष्ट		
9		नव	नवरंग नवग्रह	
10	दस			

9- fuEufyf[kr xn;k'k dk i<+ vkj ble vk, lKk o loukke 'kCn NkVdj fyf[k,&

तोत्तो–चान यासुकी चान को अपने पेड़ की ओर ले गई और उसके बाद वह तुरंत चौकीदार के छप्पर की ओर भागी, जैसा उसने रात को ही तय कर लिया था। वहाँ से वह एक सीढ़ी घसीटती हुई लाई। उसे तने के सहारे ऐसे लगाया, जिससे वह द्विशाखा तक पहुंच जाए।

संज्ञा शब्द	सर्वनाम शब्द

10- 'kkjhfjd pqukfr;k ls xqtjus okys O;fDr;k ds fy, p<u&mrjus dh lqfo/kk, dgk&dgk fn[kkbZ nsrh g\ fyf[k,A

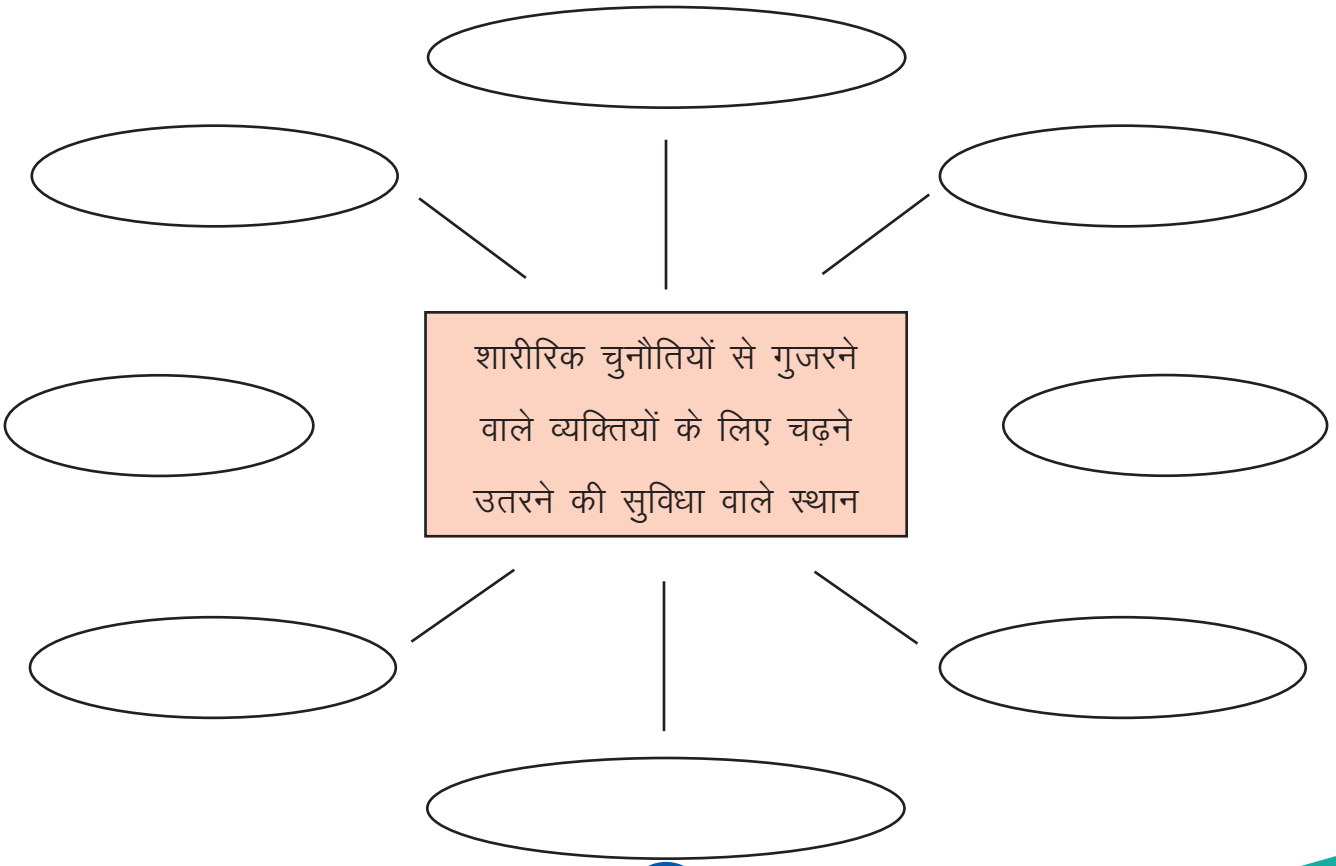

11- ;g fp= fdl cPp dk g\

यह चित्र .... का है।

चित्र देखकर आप इस बच्चे के विषय में क्या सोचते है ? 8–10 वाक्य लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

12-

mi;Dr fp= n[kr g, tk Hkh fopkj vkid eu e vk jgk g ml fy[kA

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

13- [kkyh LFkku dk dk"Bd e fn, x, 'kCn e iR;; yxkdj ijk dhft ;A

उदाहरण देखिए –

महिमा घरेलू औरत है। (घर)

1. वनिता की वाणी में ..... है। (मीठा)

2. कुबेर दूसरों की ..... में अपना जीवन धन्य समझता है। (भला)

3. हमारे विद्यालय के पास ही एक ..... बैठता है। (चाय)

4. हीटर चला तो ..... महसूस होगी। (गरम)

5. टीना का स्वर अत्यंत ..... है। (सुर)

14- ';keiVV ij fy[k 'kCnk dk vyx&vyx leg dh Vkdfj;k e fyf[k, &

व्यक्तिवाचक संज्ञा

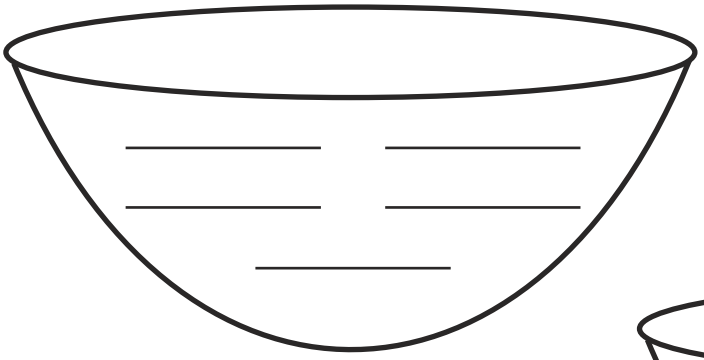

जातिवाचक संज्ञा

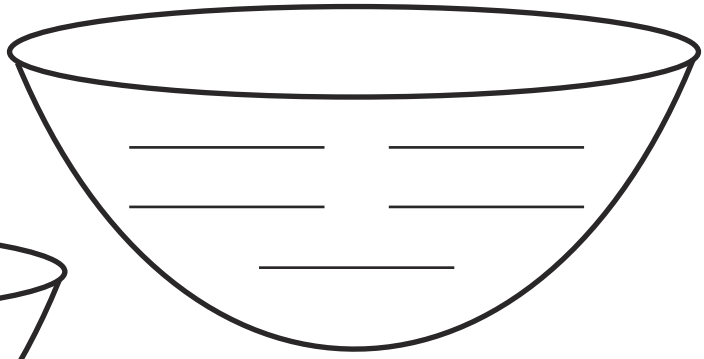

भाववाचक संज्ञा

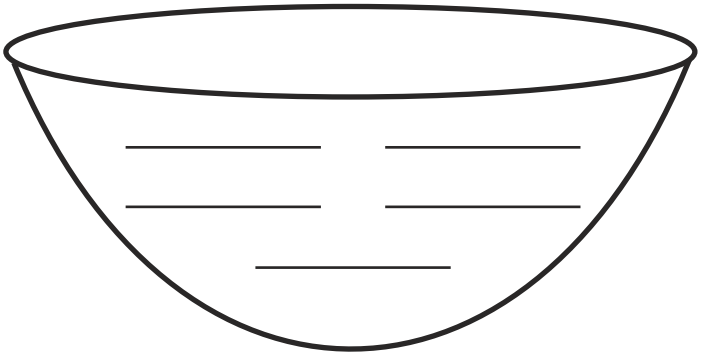

15- fuEufyf[kr okD;ksa esa j[kkfdr 'kCn ,dopu gS ;k cgqopu \ fyf[k, &

क) ये फूल बड़े सुंदर हैं। .....

ख) पिताजी खाना खा रहे हैं। .....

ग) आसमान में तारे टिमटिमा रहे हैं। .....

घ) यह आम बहुत मीठा है। .....

ड.) बगीचे में फलों के पेड़ लगे थे। .....

17- j[kkfdr 'kCnksa ds fyax cnydj okD; nksckjk fyf[k, &

क) सेवक हाथ जोड़कर खड़ा हो गया।

....

ख) झोंपड़ी में एक बूढ़ा रहता था।

....

ग) पुजारी ने सबको प्रसाद बांटा।

....

घ) शादी में वधू बहुत सुंदर लग रही थी।

....

अधिगम संप्राप्ति

- विभिन्न प्रकार की कहानियों पर चर्चा करते है और अपने विचार व्यक्त करते है।
- अपरिचत शब्दों के अर्थ शब्द–कोश में खोजते है।
- पाठ्यवस्तु को पढ़कर विशेष बिंदु को खोजते है व निष्कर्ष निकालते है।
- चित्र को देखकर कल्पना के आधार पर सार्थक सृजन क्षमता का विकास।

रहीम के दोहे

vCny jghe [kku[kkuk

jfgeu ikuh jkf[k,] fcu ikuh lc lu
ikuh x, u Åcj] ekrh ekul pu

बच्चो! आपने यह दोहा सुना ही होगा। क्या आप जानते हो, यह दोहा किसने लिखा है? बिल्कुल सही यह दोहा 'रहीमदास' जी ने ही लिखा है। रहीम दास जी, मुगल शासक अकबर के नवरत्नों में से एक थे।

रहीमदास ने हिन्दी, संस्कृत, अरबी, फारसी का बहुत अध्ययन किया। वह राजदरबार में अनेक पदों पर कार्य करते हुए भी साहित्य की रचना करते रहे। उनका व्यक्तित्व बहुआयामी था। रहीमदास के अधिकांश दोहे लोकव्यवहार व लोकनीति पर आधारित हैं। रहीम ने अपने काव्य में 'रहीम' की बजाए 'रहीमन' का प्रयोग किया है।

- रहीमदास ने पाठयपुस्तक के पहले दोहे में सच्चे मित्र की पहचान बतायी है।
- दूसरे दोहे में रहीम जी ने अटूट प्रेम की पहचान बताई है।
- तीसरे दोहे में परोपकार के बारे मे बात की गयी है।
- चौथे दोहे में उन्होंने बिना वजह अपनी बातों का बखान करने के बारे में कहा है।
- पाँचवे दोहे में रहीम जी ने मनुष्य के शरीर की तुलना धरती की सहनशक्ति से की है।

i-1- fuEufyf[kr 'kCnk d ipfyr fgnh :i fyf[k, &

परे पेड़

विपत्ति ....

मछरी ....

सीत ....

बादर ....

सरवर ....

पाछिली ....

i-2- idfr d fofHkUu mikknu ¼iM] ufn;k] l;l vkfn½ fdl idkj l ijkidkj djr gA

पेड़ ....

नदियाँ ....

i-3- vkid vuq lkj lPpk fe= dku g \

....

....

iz-4- ;s fp= jghe ds fdu nksgksa dk Hkko iznf'kZr djrs gSa \ mu nksgksa dks fyf[k,A

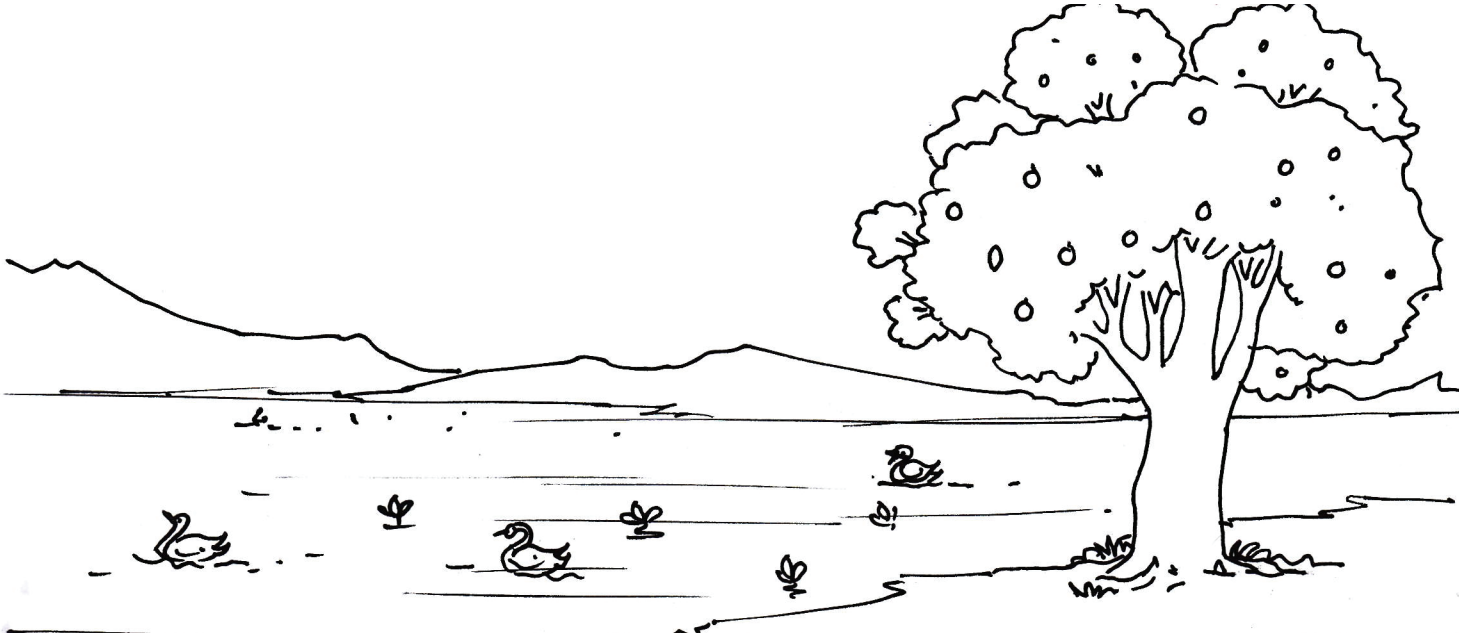

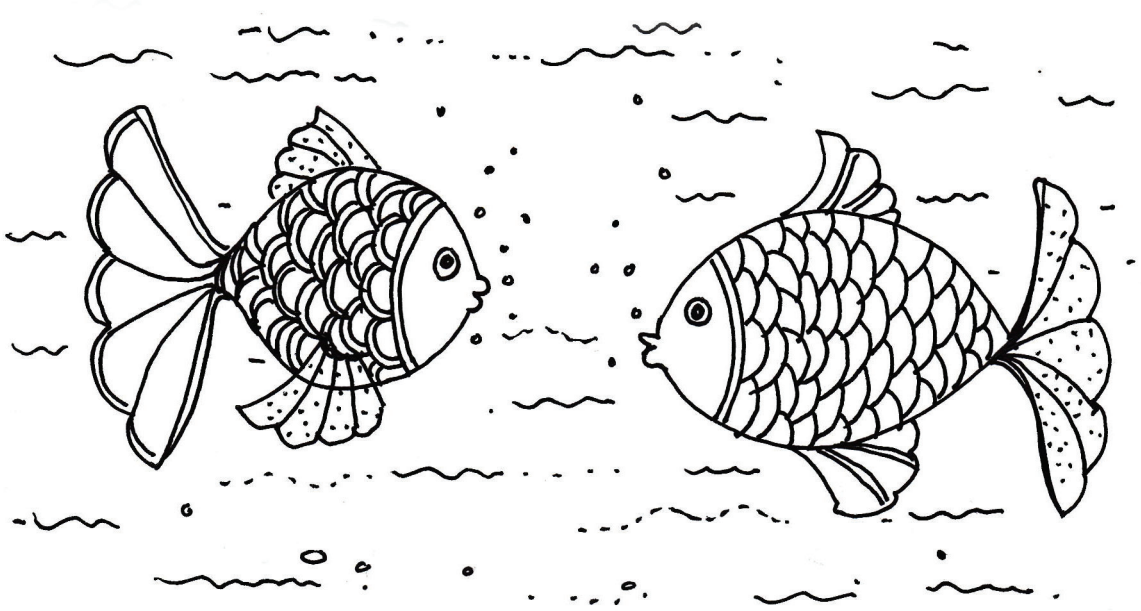

.....

.....

.....

.....

i-5- ^iM Qy ugh [kkr] rkykc viuk ikuh ugh ihrk* fdl nkg e dgk x;k gA ikB e l <dj nkgk fyf[k,A

.....

.....

.....

.....

.....

i-6- ikB e vk, nkgk e vkidk lcl vPNk nkgk dku lk yxk vkj D;k \

.....

.....

.....

.....

.....

i-7- jghe dgr g fd eu" dk l[k&n[k dk lkeuk leku :i l djuk pkfg,A D;k ;g lgh g\ ;fn gk rk] i{k e rdl nkA

.....

.....

.....

.....

.....

i-8- ^LrEHk ,d* dk ^LrEHk nk* d lkFk lgh feyku dhft, &

LrEHk & I	LrEHk & II
रहीम के दोहे बताते हैं	जल से
मछली प्रेम नहीं त्यागती है	नीति के विषय में
सज्जन सम्पत्ति संचय करते हैं	धरती को
कवि ने सहनशील बताया है	परोपकार के लिए

i-9- ikB dk i<dj [kkyh txgk e ikB l gh 'kCnk dk NkV dj fy[k &

क) बिपति कसौटी जे कसे, तेई _____ मीत।

ख) तरुवर _____ नहीं खात है।

ग) धनी पुरूष _____ भए, करें _____ बात।

घ) धरती की सी _____ है।

ड.) रहिमन मछली _____ को, तऊ न छौड़ति _____।

i-10- 'kCn igyh %&

संज्ञा शब्द छाँटिए–

Ik	/k	j	rh	e	l
[k	r	jk	gh	Hk	i
p	l	y	uh	e	#
Q	r	#	o	j	"k
x	Fk	d	e	y	=k
/k	o	N	M	N	'k
B	y	V	t	<	yh

i-11- fuEufyf[kr 'kCnk d vFk fy[kdj okD;k e i;kx dhft,&

	शब्द	अर्थ	वाक्य प्रयोग
1.	कसौटी		
2.	मोह		
3.	निर्धन		
4.	धरती		
5.	देह		

i-12- okD; e j[kkfdr 'kCnk d LFkku ij lokuke 'kCn fy[kr g, okD; nkckjk fyf[k,A

(क) अजय अच्छा लड़का है। अजय मेरा दोस्त है।

_____

(ख) नेहा सुनो। नेहा को अब घर जाना चाहिए।

_____

(ग) निहित खाना खा रहा है। निहित को चावल अच्छे लगते हैं।

_____

(घ) बच्चे खेल रहे हैं। बच्चों को बुला लाओ।

_____

(ड.) कुसुम बहुत देर से खेल रही है। कुसुम को अब घर जाना चाहिए।

_____

(च) समीरा कह रही है, ''समीरा कल आऊँगी।''

____

> f'k{kd funsZ'k % fØ;kdyki & कक्षा–कक्ष में विद्यार्थियों के समूह बनाकर रहीम के दोहों का पठन/वाचन/गायन कराया जाए तथा रहीम, कबीर, रसखान आदि महान कवियों के दोहों के आधार पर अन्त्याक्षरी का आयोजन करवाया जाए। (शिक्षक की सहायता से)

iz-13- vdcj dk uojRu & ¼irk djds fyf[k,½

1. रहीम ख़ानेख़ाना
2. ____
3. ____
4. ____
5. ____
6. ____
7. ____
8. ____
9. ____

i-14- ikB;iLrd d ikp nkgk l vyx jghenkl d vU; ikp nkg viu v/;kid dh lgk;rk l <+<dj fyf[k,A

1. _____

_____

2. _____

_____

3. _____

_____

4. _____

_____

5. _____

_____

i-15- o{k] ljkoj o lTtu 0;fDr ijkidkj d{l djr g\ D;k vkiu dHkh ijkidkj fd;k g \ ;fn fd;k g rk d{l \

i-16- fgUnh d 12 eghuk d uke irk yxkb, ,o fyf[k, &

अधिगम संप्राप्ति

- सुनी गई कविता को अपने शब्दों में कह सकेंगे।
- पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं के प्रश्न बनाते और पूछ सकेंगे।
- अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिख सकेंगे।

पाठ 10

कंचा

ikB io'k %&

सभी बच्चों को खेलना बहुत पसंद होता है। खेलना वास्तव में एक आनंददायक और मनोरंजक अनुभव है।

कंचे, गिल्ली–डंडा, गेंदतड़ी (पिट्ठौ), क्रिकेट जैसे खेल गली–मोहल्लों में आज भी नज़र आ जाते हैं। हर बच्चे के खेलने के अपने अलग–अलग खेल होते हैं। ऐसे ही प्रस्तुत पाठ 'कंचा' में भी एक बच्चा है जिसे खेलने से बहुत लगाव है। अप्पू इस कहानी का नायक है, पूरी–की पूरी कहानी अप्पू के इर्द–गिर्द घूमती है। अप्पू को कंचे खेलना बहुत पसंद है। अप्पू के जैसे, आप को भी कोई–ना–कोई खेल ज़रूर पसंद होगा। आप भी अपने खेल के चक्कर में कभी–न–कभी अपनी ही दुनिया में खोये हुए होंगे। अप्पू कक्षा में भी, अपने खेल की काल्पनिक दुनिया में खोया हुआ है। क्या आप भी कक्षा में रहते हुए, अपनी काल्पनिक दुनिया में गायब रहे हैं? मुझे लगता है अप्पू के साथ–साथ आप भी उस की खेल की दुनिया का आनन्द उठाना चाहते हैं। आप तो अप्पू की कक्षा में जाने के लिए एक दम तैयार हो गए। साथियो! यह भी जान लो कि यह कहानी लिखी किसने हैं। यह बच्चों पर आधारित कहानी 'टी.पद्मनाभन' ने रची है। हिन्दी भाषी बच्चे यानी कि आप भी इस रोचक कहानी का आनंद उठा सकें इसलिए इसका हिंदी भाषा में अनुवाद किया गया। इस रचना के माध्यम से आप इन बातों का आनंद लेंगे.........................।

पहला कि मलयालम भाषा की रचना जब हिन्दी में पंख फैलाती है तो कैसी दिखती है।

दूसरा कल्पना की दुनिया के मज़े लेंगे।

अब चलिए अप्पू की कक्षा और उसके घर की सैर कर आइए।

1- uhp ikB e vk, uohu o vifjfpr 'kCn rFkk mud vFk fn, x, g] ijr mud vFk myV&iyV gk x, gA D;k vki 'kCnk dk mud lgh vFk l feyk ldr g\

खनकना	अपनी ओर खींचना
छाँव	महसूस
आकृष्ट	लगातार देखना
टुकुर–टुकुर	आवाज़ करना
खास	हल
अहसास	छाया
सकपका जाना	विशेष
समाधान	घबरा जाना
मग्न	गला
कंठ	सीख
कर्मठ	मस्त
सबक	वर्ग
कक्षा	कर्त्तव्यशील
मात खाना	हार जाना

2- fp= e fn, x, [kyk d uke fyf[k, vkj jx Hkfj, &

(i)

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _

(ii)

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _

(iii)

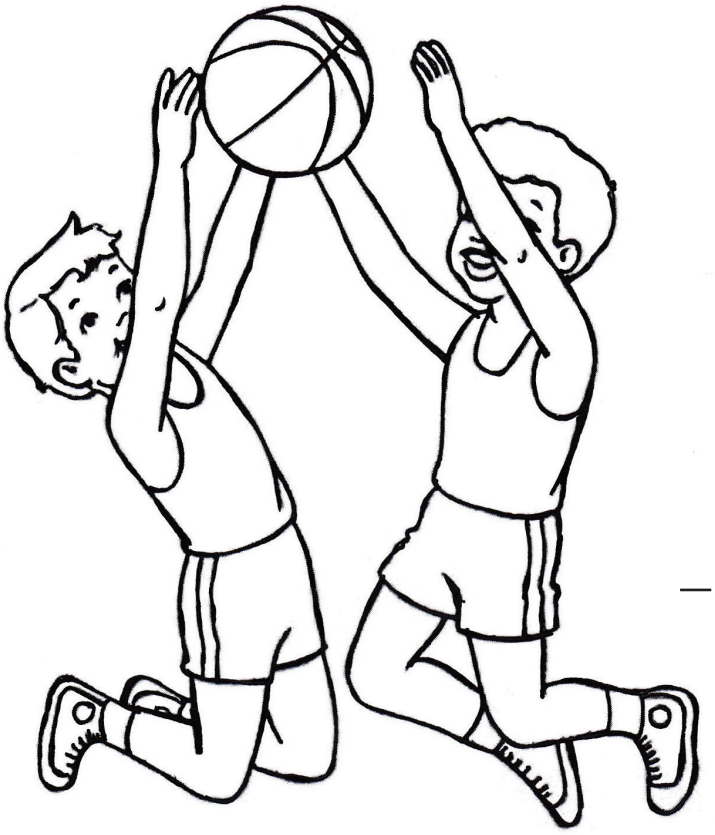

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _

(iv)

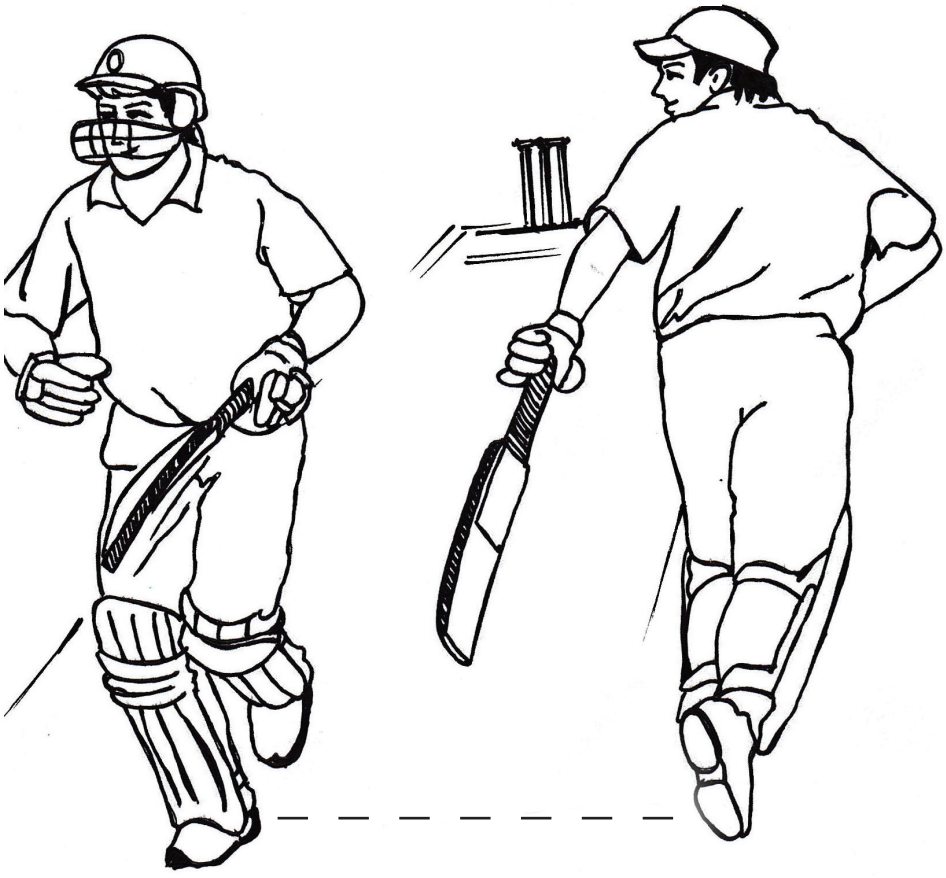

_ _ _ _ _ _ _

(v)

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _

(vi)

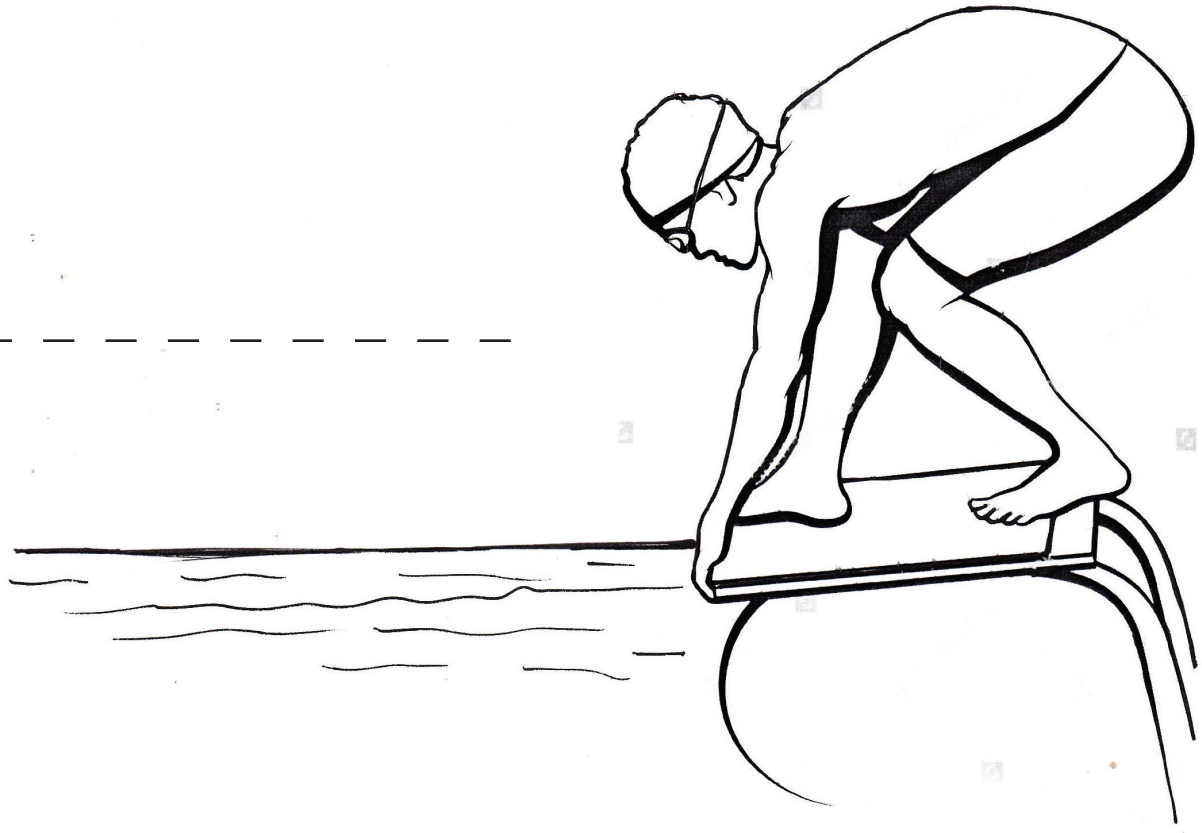

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _

3- cPpk! vkidk tks [ksy ilUn gS uhps mldk fp= cuk,¡ rFkk ml [ksy dk uke fy[krs gq, nks iafDr;k¡ ml [ksy ds ckjs esa fy[kks&

खेल का चित्र बनाओ

खेल का नाम लिखोः ______________________________

पंक्तियाँः—

____

____

____

____

4- tc ekLVj th vIis ls loky iNrs gS rks og viuh nfu;k esa [kks;k gqvk FkkA D;k vkids lkFk ,slk gqvk gS fd vki fdlh fnu d{kk esa jgrs gq, Hkh d{kk ls xk;c jgs gksa \ ,slk D;ksa gqvk vkSj vki ij ml fnu D;k xqtjh \ viuh vuqHko fyf[k,A

5- iLrdky; e e'kh iepn dh dgkuh ^bnxkg* [kkt dj if<, ;k viu v/;kid@ v/;kfidk l ^bnxkg* dgkuh d fo"k; e tkuA

'ईदगाह' कहानी में हामिद चिमटा खरीदता है और 'कंचा' कहानी में अप्पू कंचे खरीदता है।

इन दोनों बच्चों में से किसकी पसंद को आप महत्व देना चाहेंगे और क्यों? लिखिए।

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

6- vkidk dku&dku l [ky iln g \ fyf[k,A

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

7- vIi u Qhl d i lk l dp [kjhnA vkid vu lkj ;g djuk lgh Fkk ;k xyr\ viu 'kCnk e fyf[k,A

8- fuEufyf[kr okD;k e j[kkfdr 'kCn d foykse fy[kdj fjDr LFkku Hkfj, %&

क) सूर्य पूर्व दिशा में ____________ होता है और पश्चिम में अस्त।

ख) मेरे लिए तो यह जीवन ____________ का प्रश्न है।

ग) उतना ही व्यय करो जितनी ____________ हो।

घ) साक्षी के सामने तो तुम उसकी प्रशंसा कर रही थीं, उसके जाते ही ____________ करने लगीं।

9- uhp fy[k 'kCnk d lekukFkh 'kCn e t"kk l pudj fyf[k, &

कृषक – _____

बदरंग – _____

वर्षा – _____

लगातार – _____

घास – _____

10- dp] fxYyh&MaMk tl xyh&ekgYyk d db [ky ,l g tk cPpk e cgr iln fd; tkr gA vkid bykd e ,l dku&dku l [ky [ky tkr g\ mudh ,d lph cukb,A

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

11- bu fp=ksa dh nks&nks fo'ks"krk,¡ crkb, %&

?kuk isM+ | cM+k isM+

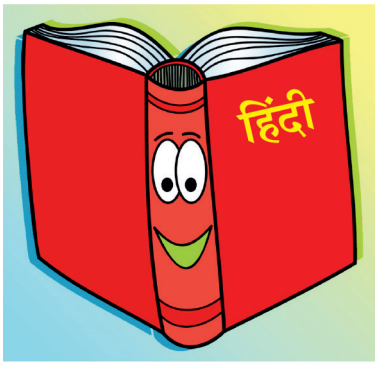

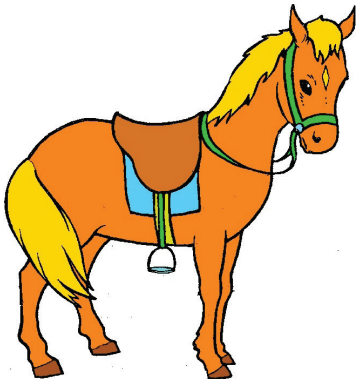

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं। जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें विशेष्य कहते हैं। जैसे– हमारे दो कान हैं। यहाँ दो विशेषण है तथा कान विशेष्य है।

12- uhp fy[k okD;k e vk, fo'k"k.k 'kCn NkVdj fyf[k, &

okD;	fo'k"k.k 'kCn
❑ पतंग ऊँची उड़ रही है।	ऊँची
1. पूजा के लिए आठ केले लाने है।	————————————
2. सुन्दर फूलों की माला बनाओ।	————————————
3. मुझे लाल गुलाब अच्छा लगता है।	————————————
4. गन्ने का रस मीठा है।	————————————
5. थोड़ा पानी मुझे भी देना।	————————————

13- fo'k"k.k vkj fo'k"; dk lgh feyku djkA mnkgj.k nf[k, &

fo'k"k.k	fo'k";
नटखट	इंद्रधनुष
रंग–बिरंगा	गेंद
खट्टा	बन्दर
गोल	रसगुल्ला
मीठा	संतरा
लाल	गुलाब
सुन्दर	फूल

14- fp= n[kdj egkoj igpkuk vkj fn, x, LFkku ij egkojk fyf[k, &

1- ----------

2- ----------

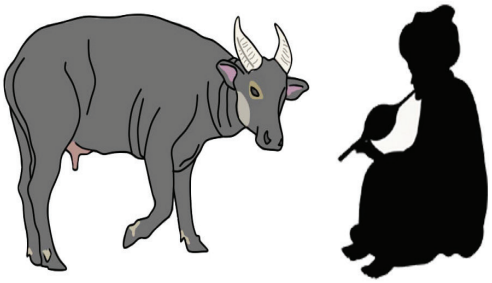

3- ----------

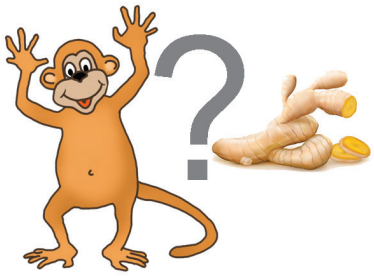

4- ----------

5- ----------

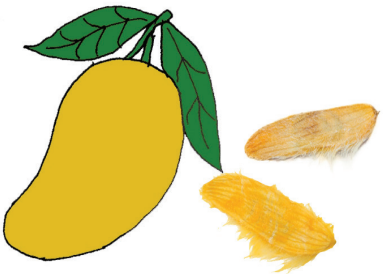

6- ----------

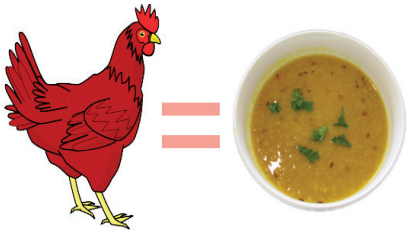

7- ----------

क =

8- ----------

15- fuEufyf[kr okD;k e l fo'k"k.k vkj fo'k"; NkVdj fyf[k, &

	okD;	fo'k"k.k	fo'k";
•	चिड़िया फुर्तीली है।	फुर्तीली	चिड़िया
1.	कार में पाँच लीटर पेट्रोल डाल दो।	————————	————————
2.	पीला फूल गेंदे का है।	————————	————————
3.	गरीब आदमी पर दया करो।	————————	————————
4.	कोई बच्चा नहीं खेलेगा।	————————	————————
5.	कच्ची टहनी टूट गई।	————————	————————

अधिगम संप्राप्ति

- पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी बारीकी से जाँच करते हुए विशेष बिंदु को खोजते, अनुमान व निष्कर्ष निकालते है।
- अपने अनुभवों को अपनी भाषा–शैली में लिखते है।
- चित्र को ध्यान से देखकर उसके विषय में बातचीत करते है।
- विशेषण शब्दों की पठित वाक्यों से पहचान करना। पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी बारीकी से जाँच करते हुए विशेष बिंदु को खोजते, अनुमान व निष्कर्ष निकालते है।

पाठ 11

नीलकंठ

ikB io'k &

वर्षा ऋतु में मोर को नाचते हुए देखना अपने आप में मनोहर दृश्य होता है। मोर को नाचते हुए तो मैंने नहीं देखा, परन्तु उसे अपनी आँखों से ज़रूर देखा है। मेरा विश्वास है कि आप में से भी बहुत से बच्चों ने मोर को देखा होगा। मोर का ज़िक्र यहाँ होने से आप समझ ही गए होंगे कि प्रस्तुत पाठ मोर से सम्बन्धित है।

हाँ, वास्तव में प्रस्तुत पाठ 'नीलकंठ' के नायक का नाम ही नीलकंठ है जो एक सुन्दर मोर है। इस पाठ को लिखने वाली छायावाद की महान लेखिका 'महादेवी वर्मा' हैं। महादेवी वर्मा का यह रेखाचित्र यानी किसी व्यक्ति, वस्तु, घटना या भाव का कम से कम शब्दों में भावपूर्ण एवं सजीव अंकन करना है, जिससे शब्दों के माध्यम से मस्तिष्क में एक चित्र उभरता है।

लेखिका का पशु–पक्षियों से बहुत लगाव है। इसी कारण वह मोर के दो बच्चों, एक मोर व एक मोरनी को अपने घर ले आती है। लेखिका के घर में पहले से ही कुछ पशु–पक्षी हैं। परन्तु लेखिका का मोर से अपना एक अलग ही जुड़ाव है। रचना पढ़ते हुए विभिन्न दृश्यों का बोध आपको होगा।

इस रचना के माध्यम से आप तीन बातों का मज़ा ले रहे हैं, पहला यह है कि एक–एक शब्द को पढ़ते हुए आपको यह अहसास होगा कि उस शब्द का एक चित्र आपके मस्तिष्क में उभर रहा है, जैसे एक फिल्म आपके सामने प्रस्तुत हो रही हो। दूसरा यह कि लेखिका के जीवन की वास्तविक घटना से परिचित हो पाएँगे। तीसरा यह कि आप विभिन्न पक्षियों की विशेषताओं के बारे में जानेंगे।

अब आओ हम लेखिका के घर चलते हैं जहाँ विभिन्न प्रकार के पशु–पक्षी आप को देखने को मिलेंगे, जिनके स्वभाव से आप परिचित होंगे।

1- ikB e vk, uohu o vifjfpr 'kCnk d vFk uhp ckDl e fn, x, gA ckDl e l 'kCn d lgh vFk [kkt dj mud lkeu fyf[k,A

lgh] mRiUu gvk] gko&Hkko] j{kk dju okyk] lidfpr] dkf'k'k] pkp l ekjuk] /kheh pky] dtl] yMkb] :i cnyuk] 'kkj] btr tkj] gjkuh

संकीर्ण = ... मुनासिब = ...

मूँजी = ... चंचुप्रहार = ...

आविर्भूत = ... प्रतीक्षा = ...

चेष्टा = ... संरक्षक = ...

भंगिमा = ... मंथरगति = ...

कलह = ... कुतूहल = ...

कोलाहल = ... कायाकल्प = ...

2- ikB e vk, ukek dk lgh i'k ;k i{kh l feyku djk &

	uke	i'k@i{kh
1.	राधा	मोर
2.	कजली	बिल्ली
3.	नीलकंठ	मोरनी
4.	चित्रा	कुत्तिया
5.	लक्का	कबूतर

3- ikB e vk, i'kqvk vkj if{k;k dk ;fn vkidk ikyu d fy, dgk tk, rk vki fdu&fdu i'kq&if{k;k dk ikyuk ilan djx vkj mudk D;k&D;k uke j[kx \

i'kq@i{kh	uke

4- uhydB u [kjxk'k d cPp dk lkFk l cpk;k FkkA bl ?kVuk d vk/kkj ij uhydB dh fo'k"krk,¡ fyf[k,A

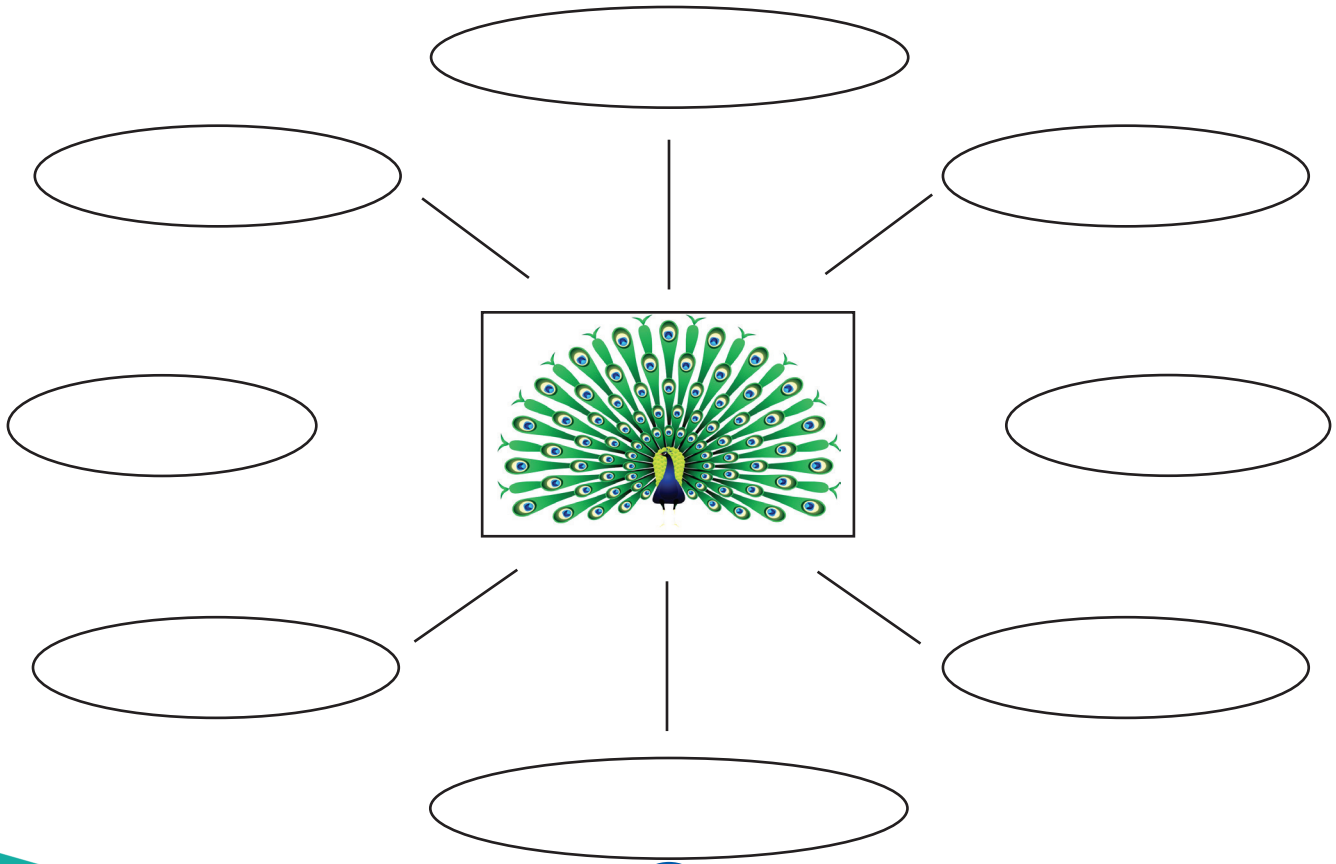

5- | iie] dyg] no"k] 'kkr] yMkd] dkykgy] feyulkj |
|---|

Åij fy[k 'kCnk e l jk/kk ekjuh vkj dCtk ekjuh l lcf/kr 'kCnk dk mudh fo'k"krk d vk/kkj ij NkVdj fyf[k, &

राधा मोरनी ....

कुब्जा मोरनी ....

6- ;fn vkidk dkbl i'k&i{kh ikyu dk dgk tk, rk vki D;k ikyuk iln djkx ,oe D;k\

....

....

....

....

....

7- ikB dk i<dj [kkyh txgk e ikB l gh 'kCnk dk NkVdj fyf[k, &

1. धीरे–धीरे दोनों .... के बच्चे बढ़ने लगे।
2. मोर के सिर कलगी और सघन .... हो गई।
3. नीलाभ ग्रीवा के कारण मोर का नाम रखा गया ....।
4. राधा ने .... देने की आवश्यकता नहीं समझी।
5. नीलकंठ और राधा की सबसे प्रिय ऋतु तो .... ही थी।
6. राधा अब प्रतीक्षा में ही .... थी।

8- :i 'kCn ls d{:i] Lo:i] cg:i vkfn u, 'kCn curs gSA ^d{* ^Lo* ^cg* ,sls 'kCnka'k milxZ ds mnkgj.k gSA vr% &

जो शब्दांश शब्दों से पहले जुड़कर उनका अर्थ बदल देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते है।

इसी प्रकार नीचे लिखे शब्दों में (वि, अ, सु, दु, न, व, स आदि) उपसर्ग जोड़कर नए शब्द लिखिए।

1. गंध ....
2. रंग ....
3. फल ....
4. ज्ञान ....

9- fuEufyf[kr 'kCnksa dk foxzg djds fyf[k, &

उदाहरण – बहुरूप = बहु + रूप

'kCn	foxzg
फलस्वरूप	
ज्ञानरूप	
रंगरूप	
गंधरूप	
कुरू	

10- bu 'kCnksa ds vFkZ i<+k vkSj nksuksa vFkZ Li"V djus okys okD; cukb,A

❋ चाल =

1. चलने का ढंग
____
2. कपट का छल
____

❋ उत्तर = 1. जवाब

_____

2. एक दिशा

_____

❋ भाव = 1. वस्तु का दाम

_____

2. भावना

_____

11- uhps dqN 'kCn fn;s x; gSA vki mudk lkFk vU; 'kCn feykdj 'kCnksa dk ifjokj cukb,A tSls & dyk] ikd dyk] dykdkj vkfnA

(क) eku ....

(ख) f'k{kk ....

(ग) gkj ....

12- ;gk¡ dqN 'kCn ,sls gSa tks ,d leku vFkZ okys gSa ij ,d 'kCn vyx vFkZ okyk gSA vki mls vyx vFkZ okys 'kCn dks Nk¡Vdj uko esa p<+k,¡A

☀	r:	isM+	o`{k	Mkyh
☀	/kjrh	feV~Vh	/kjk	tehu
☀	lqokl	xa/k	[kq'kcw	lqxa/k
☀	Mkyh	Vguh	isM+	'kk[kk
☀	HkkSjk	Hkzojk	Hkzej	Hkzoj

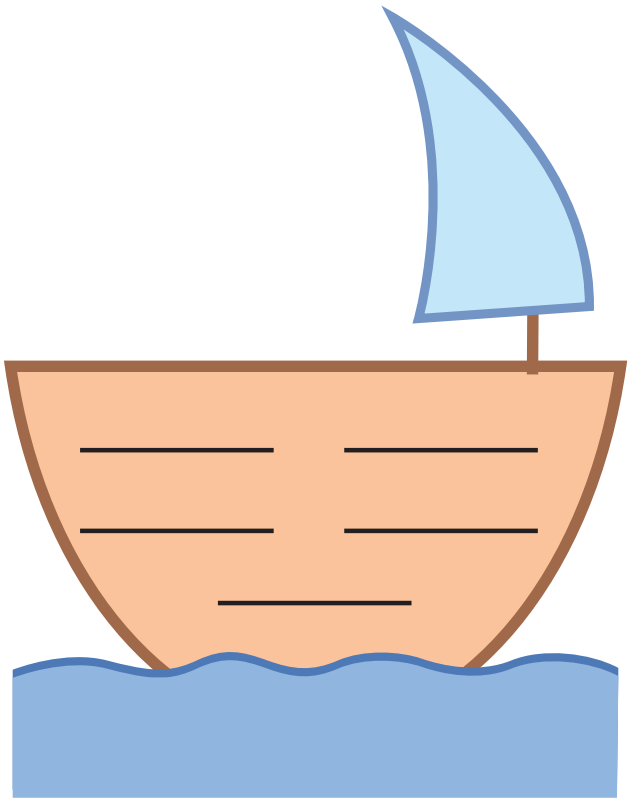

13- vufxur 'kCn ^vu* milx yxkdj cuk g vkj prjkb 'kCn e ^vkb* iR;; yxk gA blh rjg ^l* milx rFkk ^bd* o ^byk* iR;; yxkdj Hkh pkj&pkj 'kCn fyf[k,A

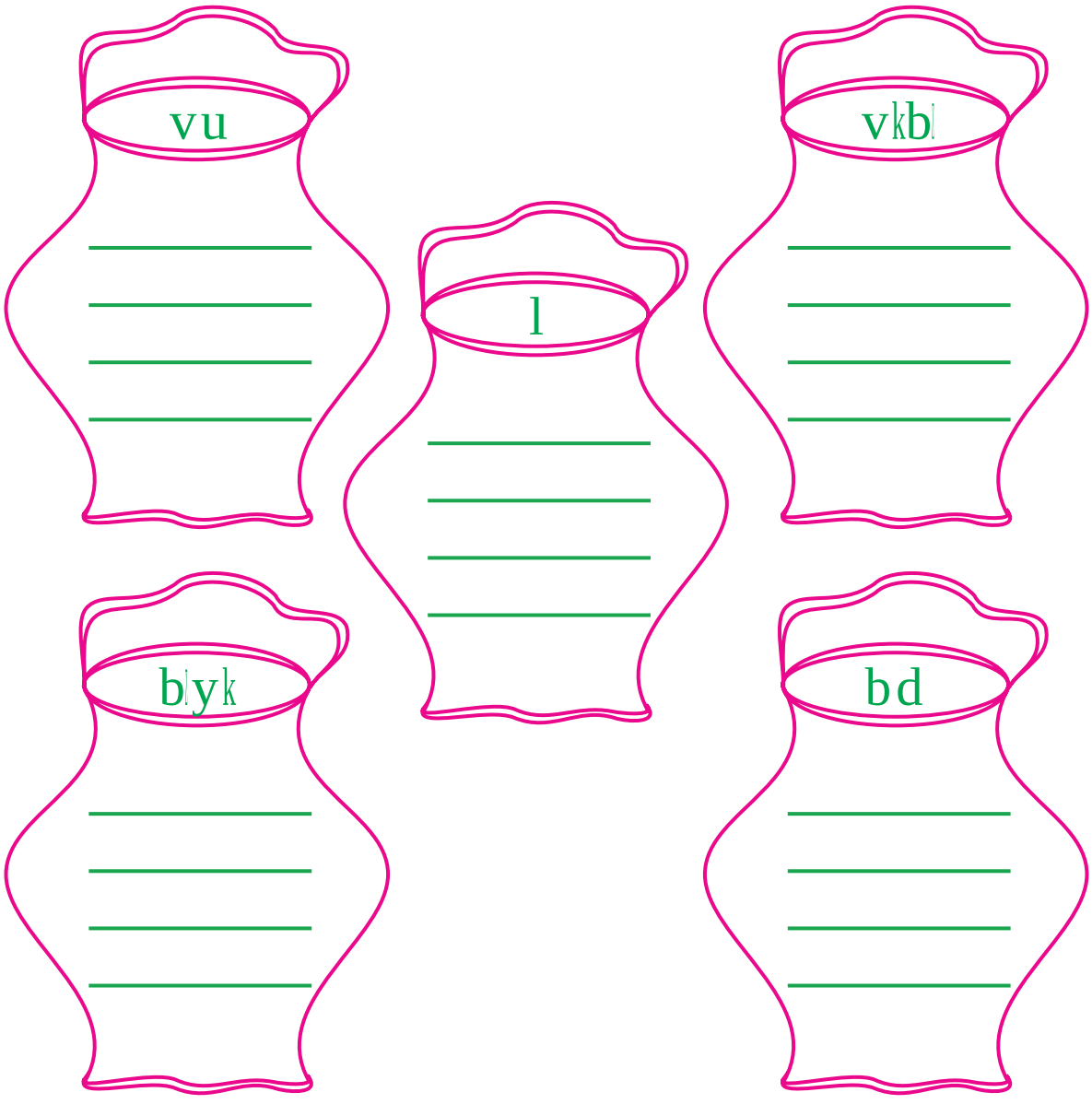

14- fn, x, LFkku ij ukprs gq, ekSj dk fp= fpidk, ;k cuk, vkSj iqLrdky; ls ekSj ds fo"k; esa dksbZ xhr@dfork@okD; ;k igsyh fyf[k, &

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

15- ;g ikB ,d ^j[kkfp=* gSA j[kkfp= dh D;k&D;k fo'ks"krk,¡ gksrh gSa\ viuk@viuh v/;kid@v/;kfidk ls tkudkjh ikIr dj fyf[k, &

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

अधिगम संप्राप्ति

- पढ़ी, सुनी, देखी घटनाओं (कविताओं, कहानियों आदि पर अपनी राय दे सकेंगे व प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकेंगे।
- अपनी कल्पना से अपने स्तर के अनुसार कहानी कह सकेंगे।
- अपनी पसंद की किताबों और अन्य लिखित सामग्री (जैसे– महादेवी वर्मा द्वारा रचित अन्य रेखाचित्र व संस्मरण) स्वयं चुनकर पढ़ने की कोशिश कर सकेंगे।

पाठ 12

संघर्ष के कारण मैं तुनुकमिजाज़ हो गया - साक्षात्कार धनराज पिल्लै

प्यारे बच्चों! क्या आपको पता है कि हमारा राष्ट्रीय खेल कौन सा है? शाबाश। बिल्कुल ठीक पहचाना आपने, 'हॉकी' ही हमारा राष्ट्रीय खेल है। अच्छा बच्चो। हॉकी खेल को दिखाती कोई फिल्म भी याद आ रही है क्या आपको? हाँ, 'चक दे' फिल्म हॉकी खेल के ऊपर ही है। अब आपने अनुमान लगा लिया होगा हॉकी खेल क्या होता है एवं कैसे खेला जाता होगा। एक अंतिम प्रश्न, हॉकी के किसी खिलाड़ी का नाम भी याद आ रहा है तो, बताओ। बिल्कुल सही सोचा आपने, धनराज पिल्लै श्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ी थे। उनका बचपन बहुत ही संघर्षों में बीता था। हॉकी का खिलाड़ी बनने के लिए भी उन्हें बहुत सारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। तो बच्चो, आओ हम पाठ को पढ़कर जानें कि धनराज पिल्लै इतने संघर्षें के साथ एक अच्छे खिलाड़ी कैसे बन पाए एवं उनके स्वभाव पर इसका क्या प्रभाव पड़ा ?

1- uhp ikB e vk, d N uohu 'kCn rFkk mud vFk eVd e fn, x, gA eVd e l 'kCn d lgh vFk <+<dj mud lkeu fyf[k, &

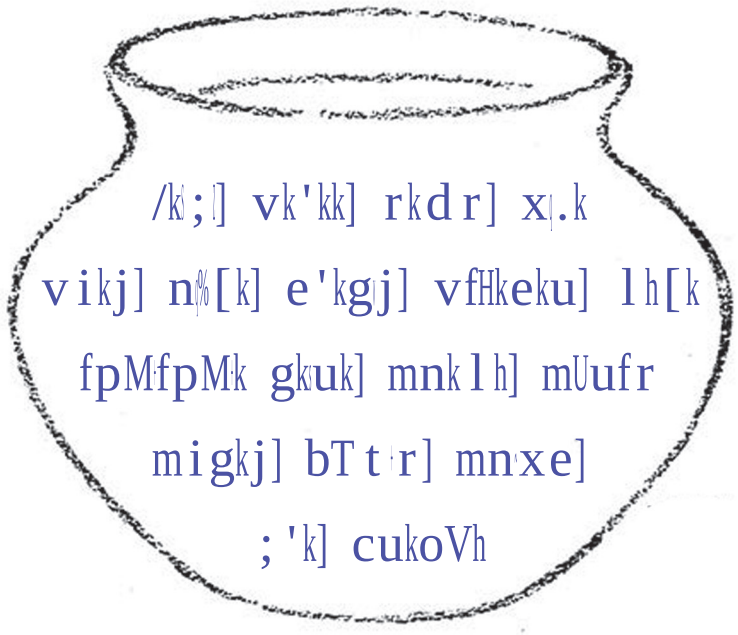

सुप्रसिद्ध	=	शोहरत	= .....
शोक	=	तरक्की	= .....
हैसियत	=	तोहफा	= .....
धीरज	=	प्रतिष्ठा	= .....
उम्मीद	=	स्त्रोत	= .....
मायूसी	=	कृत्रिम	= .....
गर्व	=	गुर	= .....
तुनकमिज़ाज	=	प्रेरणा	= .....

2- /kujkt dk cpiu ls ydj mudk dke;kc gksus rd dh ;k=k dk yxHkx 100 'kCnksa esa fyf[k, &

नाम : धनराज पिल्लै

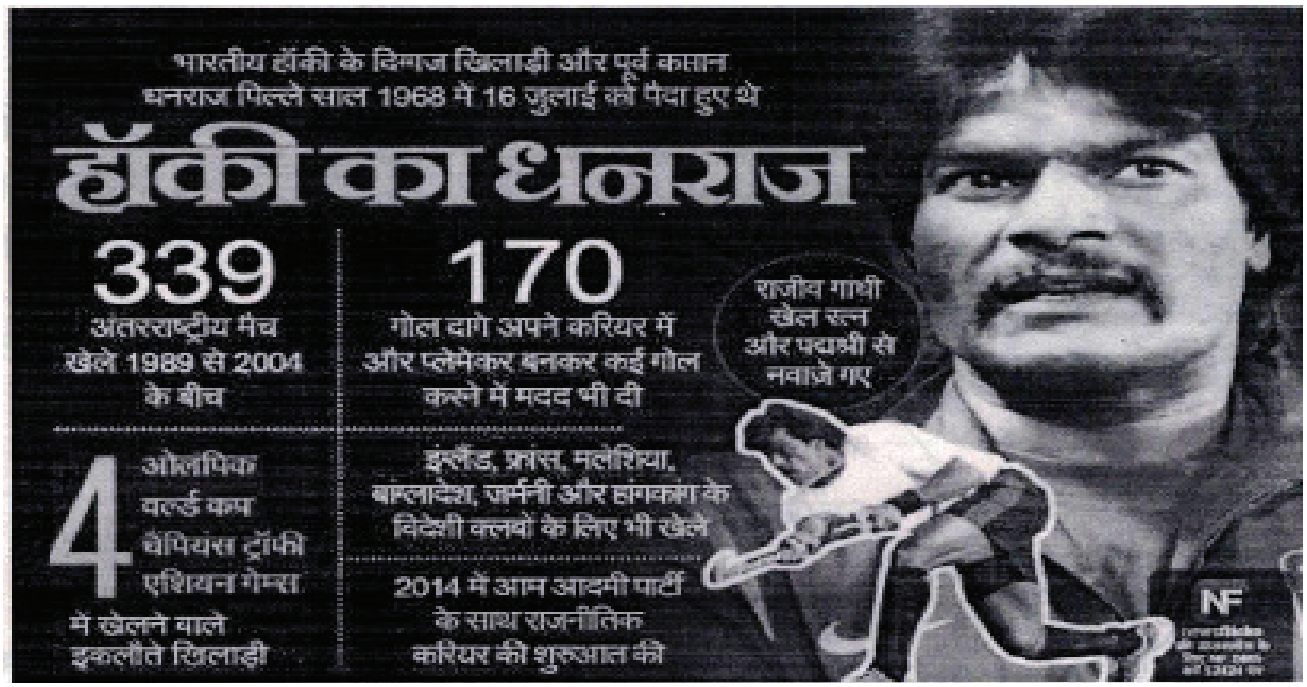

जन्म : 16 जुलाई, 1968 वर्तमान आयु : ––––––

जन्म स्थान : किर्की, पुणे (महाराष्ट्र)

––

––

––

––

––

––

––

––

––

3- y[k dk i<dj vkidk /kujkt d fo"k; e D;k&D;k irk pyk \ fyf[k,A

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

4- fn, x, LFkku ij viu euiln f[kykMh@urk@vfHkurk@y[kd@0;fDr@efgyk dk fp= fpidk,A

bud fo"k; e vkid eu e dku&dku l i'u gkr g \ dN i'u ;gk ij fy[kA

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

5- oxl igyh

d	ck	e	;l	j
c	n	n	ekl	i
n	j	il	y	e
fj	i	.k	u	;l
;k	u	c	n	jk

oxZ igyh ls leku vFkZ okys 'kCn pqudj fyf[k, &

cknj ....

e;wjk ....

niZ.k ....

6- blh rkfydk esa ls leku vFkZ okys 'kCnksa dks vfrfjDr lkFkZd 'kCnksa dk NkaVdj fyf[k, &

जैसे – कब, रिया, मोम आदि

7- 'kCn dks vfUre o.kZ ls ikB ls <w<dj u;k 'kCn fyf[k, & ¼vUrk{kjh½

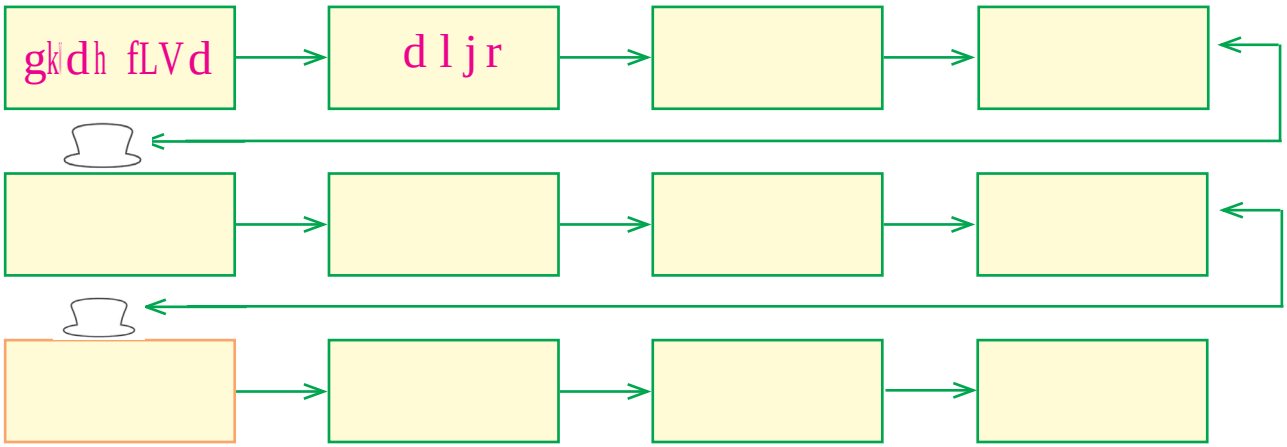

8- ;fn vkidk ekdk fey fd vkidk fdlh dk lk{kkRdkj **(Interview)** yuk g] rk vki fdldk lk{kkRdkj yuk pkgx ,o D;k\

_____

_____

_____

_____

_____

9- fuEu [kyk d fdlh ,d&,d ifl) f[kykMh dk uke fyf[k,&

(i) क्रिकेट _____

(ii) फुटबॉल _____

(iii) हॉकी _____

(iv) टेबल टेनिस _____

(v) बैडमिंटन _____

10- fuEu 'kCnk dh 'kn/k oruh **(spelling)** ij xkyk yxkb,

(i)	धनयवाद	ध्यनावाद	धन्यवाद	धन्यावाद
(ii)	परिक्षा	परीक्षा	परीक्शा	प्रीक्षा
(iii)	प्रसिद्ध	परसिध	प्रसीद्ध	परसीध
(iv)	सुरक्षीत	सुरक्शित	सुरक्षित	सूरक्षित

11- irk djs fd fdu fo'k"krkvksa ds dkj.k gkWdh gekjk jk"Vªh; [ksy ekuk tkrk gS\ fyf[k, &

12- ;g fp= fdudk gS\

bUgsa gkWdh dk tknwxj D;ksa dgk x;k gS\

fyf[k, &

13- lQy gksus ij /kujkt dks ekSu ls D;k lh[k feyh \

____

____

____

____

____

____

14- /kujkt fiYys dh fo'ks"krk,¡ NkWVdj fyf[k,

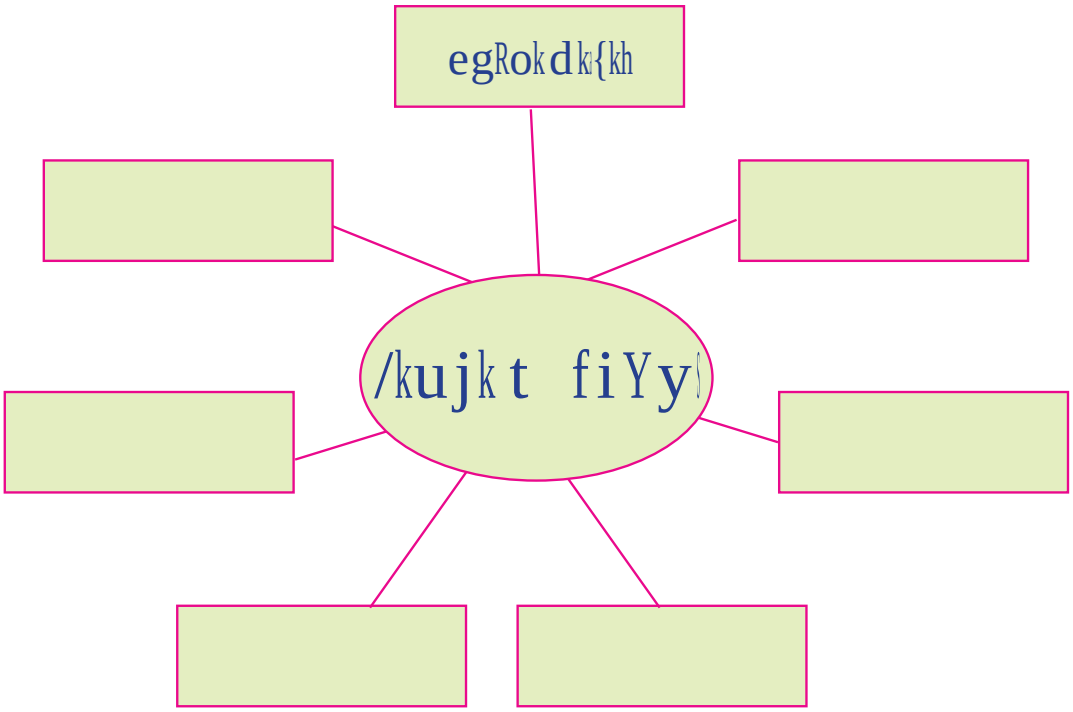

15- Hkkjr e% jk"Vªh; _____ ¼fp= n[kdj uke fyf[k,½

राष्ट्रीय खेल _____

राष्ट्रीय पक्षी _____

राष्ट्रीय फूल _____

राष्ट्रीय पशु _____

राष्ट्रीय ध्वज

____

राष्ट्रीय मिठाई

____

16- gkdh vkj fØdV e i;kx gku oky 'kCnk dk fyf[k,A

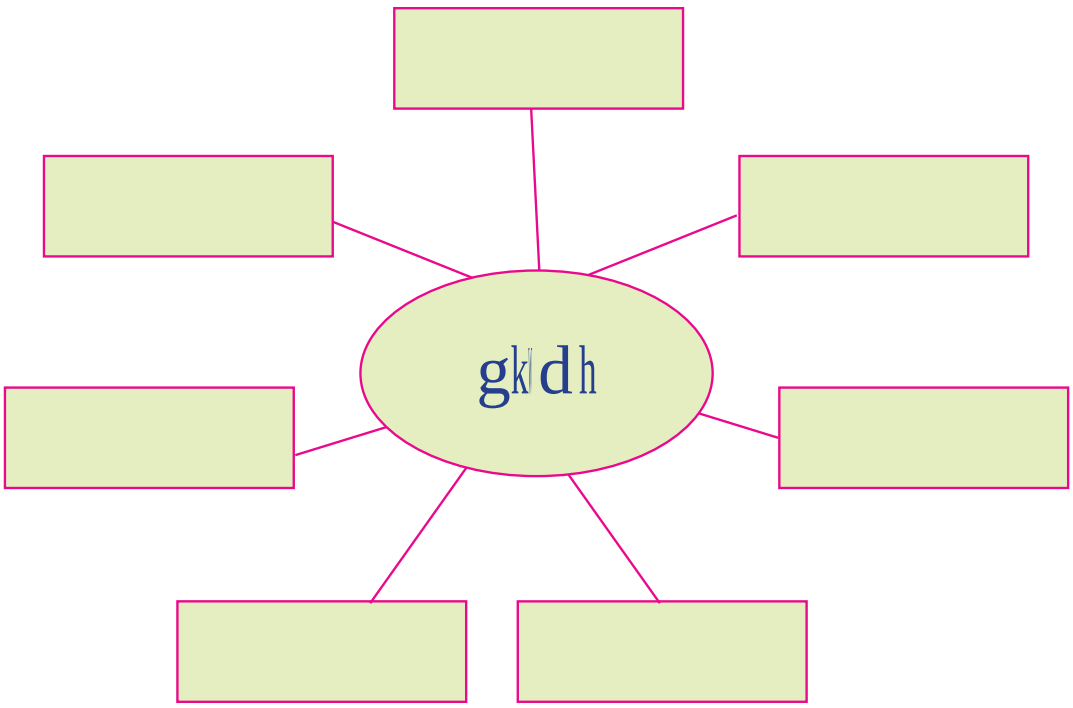

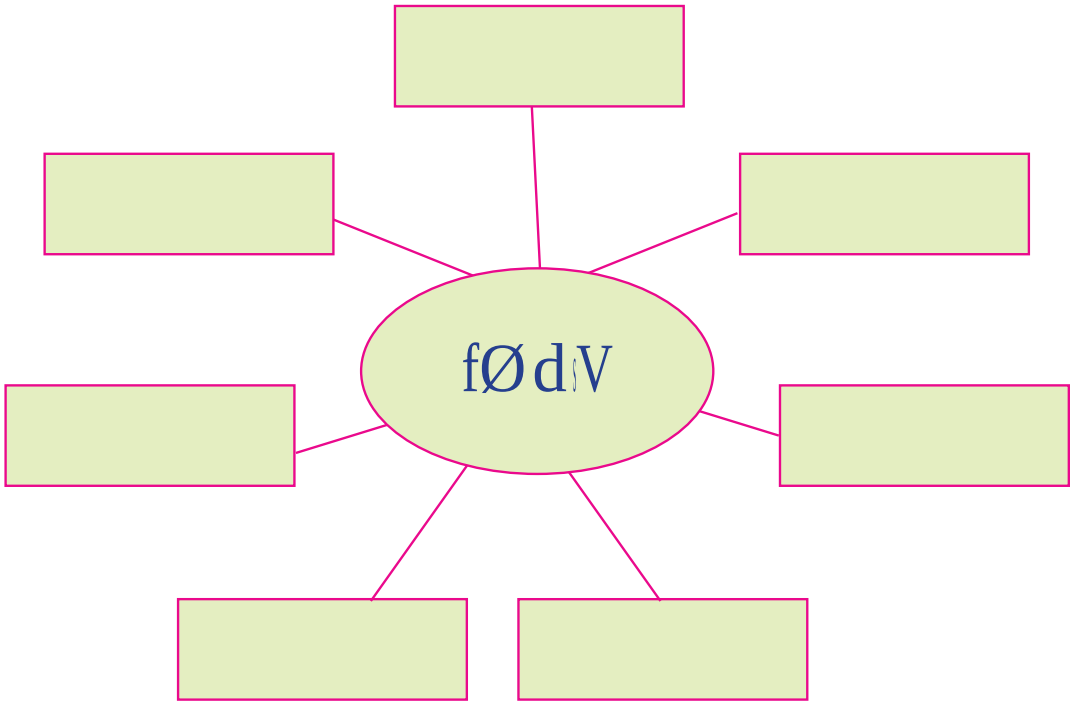

17- viuh xyfr;ksa ds fy, ekQh ekaxuk vklku gksrk gS ;k dfBu \ D;k vkius fdlh xyrh ds fy, ekQh ekaxh gS \ ;fn gka rks fdlls ekQh ekaxh vkSj D;ksa \

अधिगम संप्राप्ति

- अपने अनुभवों को अपनी भाषा–शैली में लिखते है।
- चित्र को ध्यान से देखकर उसके विषय में बातचीत करते है।
- अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्द–कोश में खोजते है।
- चित्र को देखकर कल्पना के आधार पर सार्थक सृजन क्षमता का विकास।